RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 57 ● भिलाई, शनिवार 30 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के 20 कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में स्थित जीसस एंड मैरी कॉलेज समेत करीब 20 कॉलेजों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद सभी कॉलेजों में हड़कंप मच गया और प्रशासन ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। धमकी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की। शुरुआती जांच में पाया गया कि यह धमकी फर्जी है। पुलिस के मुताबिक, ई-मेल भेजने वाले ने अपनी पहचान छिपाने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया था। हालांकि, मामले को लेकर सतर्कता बरती जा रही है और जांच अब भी जारी है। इससे पहले भी दिल्ली के कई स्कूलों को इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं।

फोन ईडी ले गई, इसलिए एक्स पर कर रहा हूं धन्यवाद

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज के आवास पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की। यह कार्रवाई सौरभ भारद्वाज के दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए अस्पतालों के निर्माण से जुड़े कथित घोटाले के सिलसिले में की गई। आप नेता ने ईडी की इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, धन्यवाद। मेरा वॉट्सऐप नहीं चल रहा है और मेरा फोन ईडी वाले ले गए हैं, इसलिए ट्विटर के माध्यम से उन सभी को धन्यवाद कर रहा हूं जो मेरे घर के बाहर रात 2:30 बजे तक डटे रहे।

करोड़पति कारोबारी ने पत्नी-बेटे संग दी जान

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 35 वर्षीय करोड़पति कारोबारी ने अपनी पत्नी और 4 साल के मासूम बेटे के साथ आत्महत्या कर ली। इस खौफनाक कदम को उठाने से पहले कारोबारी की पत्नी ने अपनी मां को व्हाट्सएप पर 36 पन्नों का एक सुसाइड नोट भेजा, जिसमें इस सामूहिक आत्महत्या के पीछे की दर्दनाक वजह बयां की गई है। यह दुखद घटना शाहजहांपुर के पॉश इलाके दुर्गा एन्क्लेव की है। बुधवार सुबह जब करोड़पति हैंडलूम कारोबारी सचिन ग्रोवर (35) के घर पर कोई हलचल नहीं हुई। तो ग्राउंड फ्लोर पर रह रहे उनके परिवार को शक हुआ। खिड़की से झांकने पर सचिन और उनकी पत्नी शिवांगी (30) के शव फंदे से लटके दिखे। दरवाजा तोड़ने पर परिवार के होश उड़ गए।

आर्थिक फोरम में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन

जापान तकनीक,तो भारत टैलेंट का पावरहाउस-मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत-जापान आर्थिक फोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन जापानी भाषा के साथ शुरू किया। उन्होंने वहां की भाषा में लोगों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान टेक्नोलॉजी में पावरहाउस है, तो वहीं भारत टैलेंट का पावरहाउस है। टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही विकास का नेतृत्व कर सकते हैं। भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आज सुबह ही टोक्यो पहुंचा हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मेरी यात्रा की शुरुआत बिजनेस जगत के दिग्गजों के साथ हो रही है। आप में से बहुत से लोग ऐसे हैं, जिनसे मेरा व्यक्तिगत परिचय रहा है, जब मैं गुजरात में था तब भी और जब मैं दिल्ली आ गई तब भी। भारत की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है। मेट्रो से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप्स तक हर क्षेत्र में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बनी हैं। जापानी कंपनियों ने भारत में 40 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। मात्र पिछले 2 वर्षों में 30 बिलियन डॉलर का प्राइवेट इन्वेस्ट हुआ है।'पीएम मोदी ने कहा, 'पिछले 11 वर्षों में भारत के अभूतपूर्व परिवर्तन से आप सभी भलीभांति परिचित हैं। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता है, आर्थिक स्थिरता है, नीति में में पारदर्शिता है, पूर्वानुमान की क्षमता है। आज भारत विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अहम अर्थव्यवस्था है। भारत बहुत जल्द विश्व

की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।' उन्होंने कहा कि 2017 में हमने एक राष्ट्र, एक कर लागू किया था। अब और भी बड़े सुधार लाने के प्रयास चल रहे हैं। कुछ ही हफ्ते पहले हमारी संसद ने एक सरलीकृत आयकर प्रणाली को मंजूरी दी है। हालांकि, हमारे सुधार केवल कराधान से कहीं आगे तक जाते हैं। हमारे सुधार केवल कर प्रणाली तक सीमित नहीं हैं। हमने व्यापार करने में आसानी पर बल दिया है। व्यापार के लिए एकल डिजिटल विंडो अप्रूवल की व्यवस्था की है। पीएम मोदी ने कहा, 'रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्र पहले ही निजी क्षेत्र के लिए खोल दिए गए हैं। अब हम परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को भी खोल रहे हैं। इन सुधारों के पीछे विकसित भारत बनाने का हमारा संकल्प निहित है। हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ विश्वास और स्पष्ट रणनीति पर आधारित है। दुनिया ने इसे पहचाना है। आज दुनिया सिर्फ भारत पर नजर नहीं रख रही है, बल्कि भारत पर भरोसा कर रही है। एसएंडपी ग्लोबल ने दो दशक बाद भारत की क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड की है। उन्होंने कहा कि ऑटो सेक्टर में हमारी भागीदारी बेहद सफल रही है। हम साथ मिलकर वही द्वड्डद्बष्, बैटरीज, रोबोटिक्स, सेमी-कन्डक्टर, शिप-बिल्डिंग और परमाणु ऊर्जा में भी दोहरा सकते हैं।

भारत-जापान साझेदारी विश्वशांति के लिए जरूरी

जापान दौरे पर पीएम मोदी ने भारत-जापान आर्थिक फोरम में शिरकत की और कहा कि भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। इससे पहले जापान दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पीएम मोदी के आगमन पर जापान में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों में गजब का उत्साह दिखा। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने अगले 10 वर्षों में जापान से भारत में 10 ट्रिलियन येन के निवेश का लक्ष्य रखा है। भारत और जापान के लघु एवं मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप्स को जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा। भारत-जापान व्यापार मंच में भी मैंने जापानी कंपनियों से कहा था कि भारत में बनाओ, दुनिया के लिए बनाओ। पीएम मोदी ने कहा कि आज हमारी चर्चा उपयोगी और उद्देश्यपूर्ण रही।

सीएम सिद्धारमैया का बड़ा दावा

1991का लोकसभा चुनाव धोखाधड़ी के कारण हारा..

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वह 1991 का लोकसभा चुनाव धोखाधड़ी के कारण हार गए थे और वरिष्ठ अधिवक्ता रविवर्मा कुमार ने बिना कोई कानूनी शुल्क लिए मुकदमा दायर किया था। सिद्धारमैया ने गुरुवार को पूर्व महाधिवक्ता रविवर्मा कुमार को सम्मानित किया और कहा कि 1991 में, जब मैंने लोकसभा चुनाव लड़ा था, तो हम कह सकते हैं कि मैं धोखाधड़ी के कारण चुनाव हार गया था। उस समय, रविवर्मा कुमार ने मेरे वकील के रूप में बिना कोई शुल्क लिए मुकदमा दायर किया और मेरे लिए मुकदमा

लड़ा। उनकी यह टिप्पणी कथित वोट चोरी को लेकर उठे विवाद के बीच आई है। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि रविवर्मा कुमार ने उनके जैसे कई लोगों को कानूनी सहायता प्रदान की है। विशेष रूप से, रविवर्मा कुमार एसोसिएट्स समाज के बेजुबानों को बिना किसी शुल्क के सहायता प्रदान करता है।

कुल्लू में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़क।

हर दिन यही बकवास...

ट्रंप के करीबी पर भड़कीं सांसद प्रियंका चतुर्वेदी...

नई दिल्ली। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो पर रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत के खिलाफ बयानबाजी करने के लिए निशाना साधा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर 50त्न टैरिफ लगाने के फैसले का समर्थन करने वाले अमेरिकी अधिकारी द्वारा भारत पर बार-बार किए गए हमलों पर निराशा व्यक्त करते हुए, प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हर दिन भारत के बारे में उनकी यही बकवास सुनकर जागती हूँ। उन्होंने नवारो के दावों की तथ्य-जांच करते हुए कहा कि रूस से

तेल खरीदने वाला भारत अकेला देश नहीं है। हालाँकि उन्होंने चीन का नाम नहीं लिया, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों से अक्सर पूछा जाता रहा है कि सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के बावजूद, उस देश पर ऐसा कोई जुर्माना क्यों नहीं लगाया गया।

पटना में तोड़फोड़ पर राहुल का बयान

सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है, हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। उनकी यह टिप्पणी पटना में सत्तारूढ़ दल द्वारा 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल के विरोध में निकाले गए एक विरोध मार्च के दौरान भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के

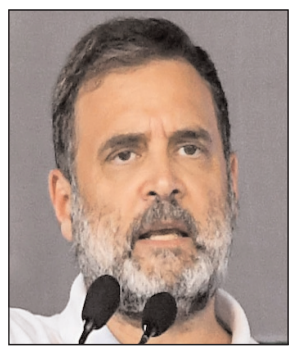

बाद आई है। इससे पहले कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने भाजपा पर पार्टी के सदाकत आश्रम मुख्यालय पर हमला और तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने 'ङ्क' पर एक पोस्ट में कहा, 'मतदाता अधिकार यात्रा की बढ़ती लोकप्रियता और उनके खिलाफ जनता की बढ़ती भावनाओं से बौखलाकर भाजपा ने एक बार फिर हमें डराने और धमकाने के लिए अपने गुंडों को छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, 'पटना स्थित हमारे बिहार प्रदेश कांग्रेस कार्यालय सदाकत आश्रम पर एक मौजूदा कैबिनेट मंत्री और अन्य भाजपा नेताओं के नेतृत्व में किया गया हमला कायरतापूर्ण कृत्य है। यह हमें स्ढ्ढक्र के नाम पर चल रही व्यापक वोट चोरी का पर्दाफाश करने से नहीं रोकेगा।' कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा को अपने आसन्न पतन और बिहार में लोगों के बढ़ते गुस्से का आभास हो गया है।

बुरी खबर मैक्स हॉस्पिटल में कैशलेस इलाज बंद हुआ

नई दिल्ली। देश के प्रमुख अस्पतालों में से एक, मैक्स हॉस्पिटल में हेल्थ इंश्योरेंस के जरिए कैशलेस इलाज कराने वाले लाखों पॉलिसीधारकों के लिए बुरी खबर है। निवा बुपा , स्टार हेल्थ और केयर हेल्थ जैसी बड़ी बीमा कंपनियों ने पूरे भारत में मैक्स हॉस्पिटल की सभी शाखाओं में अपनी कैशलेस सुविधा तत्काल प्रभाव से बंद कर दी है। इस फैसले का मतलब है कि इन कंपनियों की पॉलिसी रखने वाले मरीजों को अब मैक्स अस्पताल में भर्ती होने पर इलाज का पूरा खर्च पहले खुद उठाना होगा। बाद में वे जरूरी बिल और दस्तावेज अपनी बीमा कंपनी में जमा करके खर्च की गई रकम का रीइंबर्समेंट क्लेम कर सकते हैं। बीमा कंपनियों ने स्पष्ट किया है।

विपक्ष पर कसा तंज

शाह ने भरी हुंकार...घुसपैठियों से एक-एक इंच ज़मीन वापस लेंगे

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित वेटरनरी कॉलेज फील्ड में एनडीए के एक विशाल पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए 2026 के असम विधानसभा चुनावों का बिगुल फूंका। कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए शाह ने कहा कि असम का नेतृत्व ऐसे नेता नहीं कर सकते जो घुसपैठियों को बसाते हैं और बार-बार पाकिस्तान जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने विकास और रोजगार के

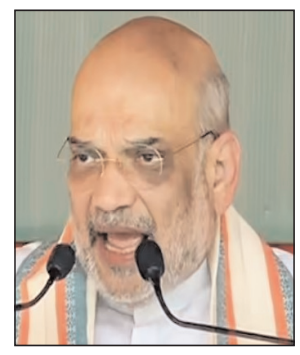

अवसरों में वृद्धि के माध्यम से राज्य का कायाकल्प किया है। अमित शाह ने कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा ने असम में एक निवेश शिखर सम्मेलन आयोजित किया, जिसके परिणामस्वरूप 5.18 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुए, जिनमें से 1.40 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएँ पहले ही जमीनी स्तर पर लागू हो चुकी हैं। एक समय था जब कांग्रेस ने असम को 'अलविदा' कह दिया था। आज मोदी जी और हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम एक विकसित राज्य में तब्दील हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और महापुरुष माधवदेव से जुड़े सत्रों से घुसपैठियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटा दिया है, जिससे सत्रों की पवित्रता बहाल हुई है। उन्होंने हाल ही में हुए पंचायत चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन का भी मज़ाक उड़ाते हुए कहा, भाजपा की जीत इतनी बड़ी थी।

अतिवृष्टि ने तीन जगहों पर सब किया तबाह...कई घर जमींदोज, आठ लोग लापता तीन की मौत

श्रीनगर। पहाड़ों पर लगातार हो रही भारी बारिश और अतिवृष्टि ने सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। रुद्रप्रयाग जिले के पूर्वी बांगर क्षेत्र में भूस्खलन के कारण छेनागाड़ का पड़ाव पूरी तरह तबाह हो गया है। तड़के हुई मूसलाधार बारिश के बाद पहाड़ी से आए मलबे के सैलाब में 15 से अधिक दुकानें और मकान बह गए। जिससे 8 लोग लापता हो गए हैं, जिनमें चार नेपाली मजदूर और एक वनकर्मी शामिल हैं। इस घटना में सड़क और पैदल मार्ग भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं जिससे बचाव दल को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं जखोली ब्लॉक के टेंडवाल गांव में एक आवासीय मकान जमींदोज होने से एक महिला सरिता देवी की मलबे में दबकर मौत हो गई। इधर चमोली के देवाल विकासखंड के मोपाटा गांव में भी भूस्खलन से एक दोमंजिला मकान ढह गया। जिसमें पति-पत्नी तारा सिंह और कमला देवी की मलबे में

दबकर मौत हो गई। उनके पास ही रहने वाले एक अन्य दंपती घायल हो गए जिन्हें रेस्क्यू टीम ने अस्पताल पहुंचाया। मूसलाधार बारिश से ग्राम पंचायत तालजामण में व्यापक नुकसान हुआ है। यहां 12 से अधिक आवासीय मकान मलबे से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ग्रामीणों ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं गौशालों में बंधे 20 मवेशियों की मौत हो गई है। प्रशासन ने गांव के 65 से अधिक परिवारों को स्कूल और पंचायत भवन में शिफ्ट कर दिया है। गांव के चारों तरफ बह रहे बरसाती नाले उफान पर बह रहे हैं।

सीएमएचओ के अनुमति बिना कोई भी संस्था कहीं भी रक्तदान शिविर नहीं लगा सकेगी, कलेक्टर ने दिए निर्देश

बालोद। भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा बालोद के प्रबंध समिति की बैठक जिला अस्पताल में कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिसमें सदस्यता अभियान पर चर्चा पर अध्यक्ष एवं सदस्यों के द्वारा सुझाव आया कि सभी सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों, अनुविभागीय अधिकारियों, सभी पंचायत प्रतिनिधियों को रेडक्रास सदस्यता दिलाने पर जोर दिया गया। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के द्वारा प्रत्येक कार्य के लिए अलग से अनुमानित बजट बनाकर प्रस्तुत करने का सुझाव दिया गया। प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन प्रत्येक महाविद्यालय, स्कूलों एवं दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र में जहां पर अक्सर दुर्घटनाएं होती है, ऐसे जगहों पर प्रशिक्षण दिये जाने हेतु जिला संगठक को आदेशित किया गया। जूनियर रेडक्रॉस के अंतर्गत जिले के समस्त शैक्षणिक संस्थाआओ का पंजीयन कराने पर जोर दिया गया, और डीईओ तथा सभी बीईओ को आत्मानंद स्कूल को भी रेडक्रास की गतिविधियों से जोड़ने की सलाह दी गई। उन्होंने रेडक्रास की गतिविधियां बढ़ाने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास द्वारा छोटी-छोटी गतिविधियों से रेडक्रॉस को जन जन तक पहुंचाने हेतु सुझाव दिया गया। साथ ही कोई भी संस्था सीएमएचओ के अनुमति बिना कहीं भी रक्तदान शिविर नहीं लगाने का निर्देश दिया गया।

राष्ट्रगान के साथ बैठक हुई समाप्त

इस दौरान विभिन्न समिति के तहत वित्त समिति, जूनियर रेडक्रास उप समिति, यूथ रेडक्रास उप समिति, स्वास्थ्य समिति, आपदा प्रबंधन समिति, सेंट जॉन एंबुलेंस समिति का गठन किया गया। बैठक के अंत में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व सचिव डा. जेएल उइके द्वारा आए हुए सभी सदस्यों का आभार प्रदर्शन किया गया एवं राष्ट्रगान के साथ बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई। इस बैठक में प्रमुख रूप से कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रॉस दिव्या उमेश मिश्रा, छत्तीसगढ़ चेयरमैन तोमन साहू, एसडीएम नूतन कंवर, जिला चेयरमेन डॉ. प्रदीप जैन, सिविल सर्जन आरके श्रीमाली, जिला उप सभापति कमला वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष रूप नारायण देशमुख, उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद बालोद कमलेश सोनी, डॉ अजय साहू, डीईओ योगदास साहू, समस्त विकासखंड के शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग, आरटीओ अधिकारी, डॉ जेके खलको प्राचार्य महाविद्यालय बालोद, दिनेश तापड़िया, अकबर तिगाला, शरद ठाकुर, अश्विन बारले, एनुका सार्वा, राधा कौशिक, राकेश द्विवेदी, अंचल प्रकाश साहू, किशोर मेहरा खेल अधिकारी, चंद्रशेखर पवार, भेखराम साहू, रघुनंदन गंगबेर एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले संस्था को करें पुरस्कृत

वही उक्त बैठक में जिला स्तरीय मेगा स्वास्थ्य शिविर रेडक्रास के बैनर तले सार्वजनिक उपक्रमों के साथ मिलकर आयोजित करने का सुझाव प्राप्त हुआ। सीएसआर और रेडक्रास की बैठक करने की बात कही गई, सदस्यो द्वारा रेडक्रास के साथ क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले संस्था, कॉलेज एवं काउंसलर को पुरस्कृत करने को कहा गया। प्राथमिक व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को हाइजीन, पाक्सो, सड़क सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा व साइबर क्राइम की जानकारी हेतु बीईओ व डीईओ के माध्यम से स्कूलों को दिए जाने हेतु निर्देशित किया गया। छत्तीसगढ़ के चेयरमेन तोमन साहु ने भी अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर जागरूकता की कमी के कारण हम कैंसर के शिकार हो जाते हैं। जिससे बचने के लिए सभी को कैंसर जागरूकता कार्यक्रम चलाने की सलाह दिया गया। ज़िला चेयरमेन डॉक्टर प्रदीप जैन ने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सभी को निक्षय मित्र बनने एवं रक्तदान हेतु वेबसाइट बनाने की बात कही। रेडक्रास अध्यक्ष ने प्रबंध समिति के सभी सदस्यों के लिए आई कार्ड व डोनेशन व सदस्यता अभियान के लिए क्यूआर कोड सभी जगह पर चस्पा करने हेतु सुझाव प्राप्त हुआ।

आसाम में सांस्कृतिक एवं प्रशिक्षण कैंप का समापन छग प्रदेश के 10 चयनित शिक्षकों ने लिया हिस्सा

डोंगरगांव नगर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय अंतर्गत सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र सीसीआरटी नईदिल्ली द्वारा एनईपी के अनुरूप अनुस्थापन पाठ्यक्रम के तहत् सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन गुवाहाटी आसाम में किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विशेष तौर से चयनित 10 शिक्षकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही बटोरी। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश भर के कुछ चुनिंदा व विषयों में पारंगत शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास तथा शैक्षिक गुणवत्ता विकास की दृष्टि से इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है।

इस ओरियंटेशन कोर्स अंतर्गत 503 वें अनुष्थापन कार्यक्रम का समापन बीते दिनों हुआ। शिविर की खास बात यह रही कि इसमें अंचल के डॉ. भगवानी निषाद ने मंच संचालन की शुरुआत संस्कृत श्लोक के साथ करते हुए मंचस्थ सभी अतिथियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। गोवाहाटी आसाम में आयोजित शिविर के समापन समारोह में बतौर अतिथि असम की शिक्षा मंत्री दीपिका चौधरी तथा एनईपी के क्षेत्रीय परामर्शक निरंजन भुयां शामिल हुये। शिविर में प्रतिदिन सांध्यकाल में होने वाले सांस्कृतिक आयोजन में छत्तीसगढ़ सहित अन्य सात राज्यों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित उक्त प्रशिक्षण कार्यशाला में जिला राजनांदगांव से डॉ. भगवानी निषाद एवं मनोज कुमार साहू, मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी से सुनील कुमार चौरसिया, बस्तर से एम किरण कुमार, महासमुंद से आशीष कुमार देवांगन, कोरिया से अंकित कुमार पांडे, रायपुर से वीना श्रीवास, दुर्ग से रिया खान, बेमेतरा से फुलेश्वरी ठाकुर, कबीरधाम से तारा झरिया आदि ने हिस्सा लिया हैं।

खाद विक्रय में अनियमितता पाए जाने पर तीन केन्द्रों के उर्वरक प्राधिकार पत्र निरस्त

बेमेतरा। संचालनालय कृषि छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी, तस्करी, डायवर्सन, जमाखोरी, अधिक कीमत पर विक्रय, अमानक एवं नकली खाद के विक्रय पर रोक लगाने हेतु सतत् निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में उर्वरक निरीक्षक डॉ. श्याम लाल साहू द्वारा औचक निरीक्षण के दौरान विभिन्न खाद विक्रय केन्द्रों में गंभीर अनियमितताएं पाई गई। पाए गए प्रकरणों में स्कंध पंजी एवं बिल बुक का संधारण नहीं करना, स्कंध एवं निर्धारित दर का प्रदर्शन नहीं करना, उर्वरक निरीक्षक को आवश्यक जानकारी उपलब्ध न कराना तथा पीओएस मशीन से खाद वितरण न करना प्रमुख रूप से शामिल है। कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के बावजूद संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है। प्राधिकृत अधिकारी सह उप संचालक कृषि मोरध्वज डड़सेना ने उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा-31 के तहत खाद विक्रय केन्द्रों के उर्वरक प्राधिकार पत्र निरस्त करने का आदेश जारी किया है जिसके अंतर्गत मेसर्स रेवेन्द्र कृषि केन्द्र, ग्राम हथमुड़ी, वि.खं. बेमेतरा, मेसर्स ओम कृषि केन्द्र, ग्राम पड़कीडीह, वि.खं. बेमेतरा, मेसर्स समृद्धि सुमन कृषि केन्द्र, ग्राम खण्डसरा, वि.खं. बेमेतरा शामिल हैं। निरस्तीकरण के बाद इन केन्द्रों पर भंडारण एवं विक्रय से संबंधित किसी भी प्रकार का व्यवसाय प्रतिबंधित रहेगा। जिला कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तरीय टीमों द्वारा खाद वितरण की नियमित निगरानी की जा रही है और अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कठोर कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 2 उर्वरक विक्रय केन्द्रों के लाइसेंस निलंबित भी किए जा चुके हैं।

लावारिस गौवंशों को थाना में बांध गए किसान

गांवों में गौठान या गौशाला खोलने की उठी मांग, फसल चट कर देने से परेशान किसानों की जहमत

डोंगरगांव नगर। नगर के पुलिस थाना परिसर में अजीब वाकया हो गया। लगभग 200 किसानों की भीड़ लावारिस मवेशियों को मालवाहकों में लेकर थाना पहुंच गए थे। किसान मवेशियों के द्वारा धान की फसल चट कर देने से परेशान हैं। किसानों की माने तो मवेशियों को कटटीपार नही जाने देना चाहते हैं, लिहाजा किसान मवेशियों को पुलिस थाना परिसर में बांध कर चले गए। हालांकि प्रशासन ने गौशाला भेजकर गौवंशों को ठिकाना दिया। अनुभाग मुख्यालय व थाना पहुँचे अनुभाग के अछोली गांव के किसान एकांत चंद्राकर सहित लगभग 150 किसानों ने मीडिया को बताया कि गांव में मवेशियों के फसल चारण से परेशान हो चुके हैं, दो दिनों से गांव में कामबंद त्यौहार रखकर बैठक रखे हैं, कुछ मवेशियों के मालिकों को अर्थदंड भी पारित किया है। वे अन्य लावारिस मवेशियों को गलत हाथों में जाने से बचाना चाहते हैं, लिहाजा वे मवेशियों को धरपकड़ कर चारा पानी देने के बाद मालवाहकों से लाकर पुलिस के सुपुर्द कर रहे हैं। किसानों ने गांव में गौठान या गौशाला खोलने की मांग प्रशासन से की है। हालांकि पुलिस ने टैग लगे हुए सिर्फ एक मवेशी के मालिक के खिलाफ अपराध दर्ज कर अन्य मवेशियों के प्रबंधन के लिए असहमति जताई है। अंततः एसडीएम व टीआई के प्रयासों से गौवंशों को गनेरी गौशाला भेजकर संरक्षित किया गया।

साल्हे के ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

एक ओर छुरिया ब्लॉक के अछोली के किसान आवारा मवेशियों को लेकर थाना पहुंचे थे। वे फसल क्षति का हवाला देकर मवेशियों को थाना में ही बांध कर चले गए। इसी म में ग्राम साल्हे ब्लॉक डोंगरगांव के हरिशंकर, लक्ष्मण सहित दर्जनभर किसान भी एसडीएम व थाना पहुंचकर ज्ञापन देते हुए फसल चारण को रोकने आवारा मवेशियों को गौशाला भेजने की मांग की है।

गौठान या गौशाला खोलने की मांग

छुरिया ब्लॉक के ग्राम अछोली के 150 से अधिक किसान आवारा मवेशियों को लेकर थाना पहुंचे थे। तो डोंगरगांव ब्लॉक के साल्हे के दर्जनभर किसान भी आवारा मवेशियों के प्रबंधन की मांग करने पहुंचे थे। दोनों गांव के किसान तर्क देते हुए गौठान या गौशाला खोलने की मांग प्रशासन से कर रहे थे। इससे एक बात स्पष्ट है कि गौपालक किसानों को गौठान की याद आने लगी है।

एनएचएम कर्मचारियों के आंदोलन का 11वां दिन, हड़ताल जारी

10 सूत्रीय मांगों को लेकर संघर्ष तेज

बेमेतरा। एनएचएम कर्मचारियों ने जय स्तम्भ चौक स्थित एसडीएम कार्यालय के पास धरनास्थल पर आसमान में गुब्बारे उड़ाकर अपनी मांगों को शासन तक पहुंचाने का प्रयास किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर जिले के लग भग 400 और पुरे प्रदेश में 16000 हजार कर्मचारी लगातार 11वें दिन भी धरना स्थल पर डटे हुए हैं। आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि कल 29 अगस्त को रायपुर में मोदी की गारंटी खोज अभियान रैली निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। कर्मचारियों का कहना है कि सरकार उनकी 10 में से केवल 5 मांगों के पूर्ण होने का दावा कर रही है, लेकिन अब तक कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। उन्होंने इस दावे को झूठा प्रचार बताते हुए आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री को अधिकारी गुमराह कर रहे हैं, और मंत्री ने बिना किसी लिखित आदेश के भ्रामक बयान जारी किए हैं। एनएचएम कर्मचारी संघ ने इस धोखे के विरोध में आंदोलन को और उग्र करने का निर्णय लिया है। शासकीय अस्पतालों में वर्षों से सेवाएँ दे रहे इन कर्मचारियों की स्थिति देखकर आम जनता भी सहानुभूति व्यक्त कर रही है और सरकार से तत्काल सभी मांगें पूरी करने की अपील कर रही है।कर्मचारियों का कहना है मोदी की गारंटी अब सिर्फ कोरी बातें साबित हो रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री के बयानों से कर्मचारियों में गहरा आक्रोश है, और जिला स्तर से लेकर रायपुर में बड़े प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है।

संघ का स्पष्ट कहना है जब तक 10 सूत्रीय मांगों पर लिखित आदेश जारी नहीं होता, आंदोलन अनवरत जारी रहेगा। इस बीच, शासकीय अस्पतालों के ताले लगे हुए हैं। दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक मरीज इलाज के लिए भटक रहे हैं और अस्पतालों में भीड़ लगातार बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि जीवन दीप समिति के कर्मचारियों पर ड्यूटी का अनुचित दबाव डाला जा रहा है, जबकि वे केवल सहयोगी के रूप में कार्यरत हैं और उन्हें इस काम का पर्याप्त प्रशिक्षण भी नहीं मिला है। कई अस्पतालों में सूचना बोर्ड लगाए गए हैं, जिनमें मरीजों से असुविधा के लिए खेद प्रकट किया गया है। एनएचएम कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष पूरन दास एवं जिला प्रवक्ता बृजेश दुबे ने कहा इस स्थिति के लिए सरकार खुद जिम्मेदार है। अड़ियल रवैया छोड़कर संवाद करें और कर्मचारियों की 10 सूत्रीय मांगें पूरी करें। दिनेश गंगबेर ने बताया की कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले 20 महीनों में 150 से अधिक आवेदन और निवेदन देने के बावजूद सरकार ने नियमितीकरण, ग्रेड पे और लंबित 27त्न वेतन वृद्धि जैसी फाइलों को रोककर रखा है और कर्मचारियों को लगातार गुमराह कर रही है। कार्यक्रम में डॉ अभिषेक यादव, डॉ सुमित मिश्रा, डॉ डोमन यादव, डॉ निलेश देवागन, प्रमोद साहू, दिनेश गंगबेर डॉ तृप्ति दुबे, गुलाब साहू, किरण सिंहा, गोदावरी वर्मा, नेतराम साहू, तुकेश्वरी साहू, दामनी वर्मा, हेमलता कुर्रे सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

चोरी के दो आरोपी सामान

बेमेतरा। सायबर सेल एवं थाना साजा पुलिस टीम ने चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 26 अगस्त को प्रार्थी ओमकुमार साहू उम्र 40 साल निवासी पतोरा थाना थानखम्हरिया जिला बेमेतरा हाल मुकाम बिजली ऑफिस रोड साजा थाना साजा जिला बेमेतरा द्वारा थाना साजा में एक लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि कोई अज्ञात व्यक्ति रात्रि में घर के दरवाजे का ताला तोडकर घर अंदर प्रवेश कर आलमारी में रखे कीमती सामान को चोरी कर ले गया है। कि रिपोर्ट पर थाना साजा में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की जानकारी अधिकारियों को दी गई, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह के मार्गदर्शन में एसडीओपी बेरला विनय कुमार के नेतृत्व में थाना प्रभारी साजा निरीक्षक सत्य प्रकाश उपाध्याय, सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा व सायबर सेल/थाना स्टाफ को अज्ञात आरोपी की पता तलास हेतु त्वरित टीम गठित कर माल, मुल्जिम पता साजी में लगाया गया। प्रकरण में डॉग स्काड टीम एवं वैज्ञानिक अधिकारी सीन ऑफ क्राईम यूनिट बेमेतरा का भी सहयोग लिया गया। अधिकारियों के मार्गदर्शन में त्वरित कार्यवाही करते हुए माल, मुल्जिम पता साजी विवेचना के दौरान जरिये मुखबिर सूचना पर वार्ड नं. 13 फोकट पारा साजा निवासी सुरेश निर्मलकर ऊर्फ सोनू एवं ओम यादव ऊर्फ बिठ्ठल को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उक्त चोरी की घटना को कारित करना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से चोरी गए सामान को जप्त कर बरामद किया गया। आरोपी सुरेश निर्मलकर ऊर्फ सोनू पिता बाबू लाल निर्मलकर उम्र 23 वर्ष, ओम यादव ऊर्फ बिठ्ठल पिता दीपक यादव उम्र 19 वर्ष, दोनो निवासी वार्ड नं. 13 फोकट पारा साजा थाना साजा जिला बेमेतरा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई एसडीओपी बेरला विनय कुमार के नेतृत्व में थाना प्रभारी साजा निरीक्षक सत्य प्रकाश उपाध्याय, सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, चौकी देवकर प्रभारी सउनि उदल राम टांडेकर, सउनि बनवाली राम सोनकर, प्रधान आरक्षक विजेन्द्र सिंह,पवन राजपूत, येमन बघेल, आरक्षक विनोद सिंह, नुरेश वर्मा, जय किशन साहू, मोती लाल जायसवाल, संतोष धीवर, रेखन साहू, रामानुज जायसवाल, गोलू पाटिल, अर्जुन ध्रुर्वे, रविन्द्र चंद्रवंशी, डॉग मास्टर नरेन्द्र लहरे सहित थाना साजा के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

नवाचारी शिक्षिका केवरा सेन व सुनीता राजपूत को मिलेगा राज्यपाल पुरस्कार

5 सितंबर को राजभवन में राज्यपाल करेंगे सम्मानित

बेमेतरा। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर के दिन के छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम रमेन डेका के द्वारा प्रत्येक जिले से दो उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इनमें बेमेतरा जिले से भी दो शिक्षिकाओं के नाम शामिल है। जिसमें बेरला विकास खंड के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कंडरका में कार्यरत नवाचारी शिक्षिका केवरा सेन, और शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कंतेली विकासखंड बेमेतरा की नवाचारी शिक्षिका सुनीता राजपूत के नाम शामिल है। इन्हें इस वर्ष राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त होगा। नवाचारी शिक्षिका केवरा सेन व सुनीता राजपूत के नाम की घोषणा के साथ ही जिला, विकासखंड के साथ साथ समूचे अंचल में भी हर्ष और खुशी की लहर दौड़ गई। साथ ही उनके परिवार भी गौरवान्वित हो रहे हैं। नवाचारी शिक्षिका केवरा सेन छत्तीसगढ़ की अकेली शिक्षिका हैं जिन्होंने पहले स्वयं जापानी भाषा सीखी और उसके पश्चात अब अपने विद्यालय के बच्चों को जापानी भाषा सीखा रही है एवं अन्तर राज्यीय महाराष्ट्र के बच्चों के साथ ऑनलाइन वार्तालाप भी करती है। उनके द्वारा लिखी पुस्तक बेसिक जापानी भाषा का विमोचन महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम रमेश बैस किया था। उनकी लिखी हुई इस किताब के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य के साथ साथ महाराष्ट्र के बच्चे भी जापानी भाषा सीख रहे हैं। उनके विद्यालय के बच्चे अब स्पोकन इंग्लिश भी समूह में सीख रहे हैं।नवाचारी शिक्षा केवरा सेन अपने बच्चों तथा आसपास के बच्चों को एनएमएमएसई एवं प्रयास के नियमित प्रैक्टिस कराती है। वे अपने विद्यालय में बच्चों के लिए बचत बैंक भी खोले हैं। जिसमें बच्चे स्वयं के व्यय के लिए मिले हुए पैसे को शाला स्तर पर केवरा सेन एक गल्ले के माध्यम से सबका अपना अपना एकत्रित करवाती है। लगातार तीन साल तक बच्चे जमा करते हैं। उसके पश्चात् बच्चें उस पैसे का सदुपयोग आगे की कक्षाओं या जरूरत के हिसाब से करते हैं। विद्यालय में औषधि उद्यान है जिनका संचालन व रखरखाव शिक्षिका केवरा सेन एवं ईको क्लब के बच्चों द्वारा किया जाता है तथा औषधि उद्यान एवं उनके गुणों के बारे में भी केवरा सेन ने पुस्तक लिखी है। उनके कार्यो को देखते हुए उन्हें अनेकों पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हो चुके है। ष्टत्न एप में नायक के रूप सम्मान, कोरोना काल में ऑनलाइन ऑफलाइन, मोहल्ला क्लास के लिए कोरोना योद्धा एडिटर एप द्वारा सम्मान, बाल मित्र ऑगनबाड़ी में कुपोषण के तहत कार्य करने पर विकास खंड स्तर पर सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक, मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण ज्ञानदीप, पीएलसी के तहत कार्य करने पर नंदकुमार (शिक्षा सचिव) महाराष्ट्र के द्वारा महाराष्ट्र में प्रशस्ति पत्र, शून्य निवेश नवाचार में सम्मान, ईको क्लब के तहत राज्य स्तरीय सहभागी बनने पर सम्मान, प्रत्येक साल प्रतिभावान ईको क्लब के बच्चों को सम्मानित करना। टीएलएम निर्माण में जोन स्तरीय सम्मान, लक्ष्य वेध में कार्य करने पर राज्य स्तरीय प्रशस्ति पत्र, एनएमएएमएसई एवं प्रयास में बच्चों का सलेक्शन होने पर योग ग्रुप बारगांव द्वारा प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मान, एनईनपी 2020 के एफएलएन प्रशिक्षण में ट्रेनर्स के रूप विकासखंड स्तर एवं जिला स्तर पर सम्मान, रक्तदान कर दूसरों को प्रेरित रक्त दान महादान, पढाई छोड़ चुके बच्चों के लिए प्रयास, गाँव की महिलाओं को ओपन परीक्षा में बैठाना, अंगना म शिक्षा के अन्तर्गत बेमेतरा जिले के चारों विकास विकास में एसआरजी के रूप में एक दिवसीय प्रशिक्षण देना। उनके ऐसे ही अनेकानेक कार्यों के कारण ही उन्हें राज्यपाल पुरस्कार के लिए चुना गया है।

इसी तरह सुनीता राजपूत शिक्षिका शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कंतेली भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली, विद्यालय के प्रति समर्पण की भावना रखने वाली नवाचारी शिक्षिका है। कोरोना महामारी के समय ऑनलाइन क्लास लेना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को अत्यधिक महत्व देना, कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देना, आर्थिक रूप से पिछड़े हुए बच्चों को भरपूर सहयोग करना, शिक्षक पालक संपर्क पर सतत प्रयास करना, नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से कक्षा में अध्यापन कार्य कराना शिक्षा एवं कला साहित्य पर अध्यापन कार्य करना व्यावसायिक शिक्षा पर बच्चों को अधिक से अधिक शिक्षा देना। दोनों नवाचारी शिक्षिका महामहिम राज्यपाल के कर कमलों से सम्मानित होगी। राज्यपाल पुरस्कारों की घोषणा होते ही सर्वप्रथम नंद कुमार आईएएस पूर्व शिक्षा सचिव छत्तीसगढ़ जो अभी वर्तमान में महाराष्ट्र मनरेगा विभाग/शिक्षा विभाग में है, साथ ही महाराष्ट्र के राज्यस्रोत व्यक्ति नीलेश घुगे ने अति प्रसन्नता जाहिर करते हुए फोन द्वारा ही बधाई का संदेश दिये। जिला शिक्षा अधिकारी जी आर चतुर्वेदी, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट के प्राचार्य जे के घृतलहरे, डाइट व्याख्याता थलज कुमार साहू, कंडरका के प्राचार्य राजेन्द्र झा ने उनके उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए बधाई दिये है। लव साहू पूर्व विकास खंड शिक्षा अधिकारी बेरला, बीईओ बेरला जय प्रकाश करमाकर, बीआरसी बेरला खोम लाल साहू, एबीईओ नारायण ठाकुर, अधेश उइके, सुरेन्द्र पटेल सीएसी, व्याख्याता भुवन लाल साहू, प्रधान पाठक पवन देवांगन, प्रहलाद कुमार टिकरिहा प्रधान पाठक, राजेश यादव, ताकेश्वर साहू, के आर साहू, प्रकाश साहू, जलेश जागड़े, रविशंकर सेन, चेतन साहू, मनीषा कुलकर्णी, अजुंम खान, सागरिका यादव, रागिनी शर्मा, भुवन सिंह ध्रुव, रविकुमार निषाद, राज राजेश्वर राजा एवं समस्त स्टाफ कंडरका संकुल के साथ साथ समस्त लक्ष्य वेध वर्क टीम, एवं ग्राम प्रमुख (सरपंच) रोहित यदु उप सरपंच ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

घर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा पार

रायपुर। भरत नगर गुढ़ियारी में घर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी खेमलाल साहू 24 वर्ष भरत नगर गुढ़ियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी ई-रिक्शा क्रमांक सीजी 04 क्यूबी 3361 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए ई-रिक्शा की कीमत करीब 1 लाख 40 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

दुकान के गल्ले से नकदी रकम पार

रायपुर। सीटी सेंटर मॉल के पीछे दुकान के काउण्टर से अज्ञात चोर ने 1 लाख 30 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी महेश गुरूनानी 55 वर्ष कवितानगर खम्हारडीह का रहने वाला है। प्रार्थी का सीटी सेंटर मॉल के पीछे दुकान है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने उसके दुकान के काउंटर से 1 लाख 30 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

टैंकर की टक्कर से युवक की मौत

रायपुर। सेजबहार चौक के पास टैंकर की टक्कर से युवक की मौत हो गई। मामले में मुजगहन पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक उत्तम पटेल 35 वर्ष आरके ढाबा निमोरा का रहने वाला था। बताया जाता है कि मृतक पैदल सेजबहार चौक के पास जा रहा था, तभी टैंकर क्रमांक जीजे 06 बीवी3474 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मृतक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं टैंकर चालक को हिरासत में लिया है।

सूने मकान से हजारों रुपए के जेवर पार

रायपुर। सत्यम विहार कालोनी रायपुरा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने हजारों रुपए के जेवर पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया निशा ठाकुर 28 वर्ष सत्यम विहार कालोनी रायपुरा की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया।

सूने मकान से नकदी सहित हजारों रुपए के जेवर पार

रायपुर। ऑफिसर कालोनी धरमपुरा स्थित सूने मकान से अज्ञात चोर ने नकदी 30 हजार सहित बाइक और अन्य सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ललित कुमार सिंह 36 वर्ष ऑफिसर कालोनी धरमपुरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 30 हजार, 1 नग टुल्लू पंप और पोर्च में खड़ी बाइक पार कर दिया।

दक्षिण कोरिया के कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सार्थक मुलाकात

छत्तीसगढ़ की निवेश-अनुकूल नीतियों और संसाधनों में गहरी रुचि व्यक्त की

- निवेश, तकनीकी सहयोग और स्किलिंग से छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने पर हुई चर्चा
- साय ने कहा कि दक्षिण कोरिया के साथ हमारे संबंध केवल व्यापारिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सियोल में दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े व्यापार संगठन कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन के चेयरमैन श्री जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट श्री किम की ह्यून से मुलाकात की। 77,000 से अधिक सदस्यों वाला यह संगठन एशिया का अग्रणी व्यापारिक मंच है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024-30, प्राकृतिक संसाधनों और कुशल मानव संसाधन की ताकत को रेखांकित करते हुए निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और स्किलिंग के क्षेत्र में संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दक्षिण कोरिया के साथ हमारे संबंध केवल व्यापारिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भी हैं। आज के इस संवाद से छत्तीसगढ़ और कोरिया के बीच निवेश, तकनीकी सहयोग और कौशल विकास के नए द्वार खुलेंगे। इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं को आधुनिक उद्योगों में अवसर प्राप्त होंगे और प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार निवेशकों को सुगम वातावरण, त्वरित स्वीकृतियाँ और आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि केआईटीए के साथ यह सहयोग छत्तीसगढ़ को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा। बैठक के दौरान केआईटीए के चेयरमैन श्री जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट श्री किम की ह्यून ने भी छत्तीसगढ़ की निवेश-अनुकूल नीतियों और संसाधनों में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोरियाई कंपनियाँ छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और आने वाले समय में साझेदारी के ठोस कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस सहयोग से छत्तीसगढ़ के किसानों, श्रमिकों और स्थानीय उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ होगा। खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश से रोजगार के हजारों अवसर सृजित होंगे। साथ ही, तकनीकी हस्तांतरण से स्थानीय उद्योगों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है, बल्कि यहाँ का युवा वर्ग मेहनती और कुशल है। कोरियाई कंपनियों के साथ जुड़कर उन्हें स्किलिंग और तकनीकी प्रशिक्षण के नए अवसर मिलेंगे, जिससे प्रदेश की मानव संसाधन क्षमता वैश्विक स्तर पर मजबूत होगी।यह साझेदारी प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी और आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी का आदर्श उदाहरण बनेगा।

सशक्त एप के माध्यम से मिली बड़ी सफलता

रायपुर। थाना मोहन नगर पुलिस एवं गठित टीम द्वारा की गई संयुक्त कार्यवाही। थाना क्षेत्र एवं अन्य थाना क्षेत्र से चोरी की मशरूका मोटर सायकल बरामद। नाबालिक बालको एवं आरोपी द्वारा अपने शौक पूरा करने के लिए करते थे मोटर सायकिलों की चोरी। 02 विधि से संघर्षरत बालक एवं 01 आरोपी गिरफ्तार। चोरी के वाहन खरीदने वालों के विरूद्ध भी की गई कार्यवाही। आरोपियों से कुल 19 नग मोटर सायकल, जिसमें 10 एक्टिवा, 09 दोपहिया मोटर सायकल बरामद। कुल कीमती 15 लाख रूपये का मशरूका बरामद। श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल (भापुसे) के मार्गदर्शन/निर्देशन में दुर्ग जिले में लगातार हो रही दोपहिया वाहन चोरी के घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए दुर्ग जिले के सभी अनुभाग स्तर पर आरोपियों की धर पकड़ एवं चोरी गई वाहन की बरामदगी हेतु टीम गठित की गई थी। दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में चलाई जा रही सशक्त एप अंतर्गत लावारिस वाहन एवं चोरी की गई वाहनों को सर्च कर दुर्ग अनुभाग के गठित टीम के द्वारा लगातार माल मशरूका एवं आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर 03 लड़के संदिग्ध हालत में होने एवं पूर्व में मोटर सायकल में चालान होने की सूचना पर ग्रीन चौक के पास जाकर उक्त तीनों को पकड़कर पूछताछ किये जो पूछताछ में बताये कि आज से करीबन 04 माह पूर्व से अभी तक कुल 19 दोपहिया वाहन एवं मोटर सायकल को चोरी किये है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में स्थापित होगी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर

- विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की कार्यवाही की अनुशंसा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नवा रायपुर स्थित नवनिर्मित विधानसभा भवन परिसर में भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की अनुशंसा की है। डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री से लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में शीघ्र आवश्यक निर्देश जारी करने का भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने गठन के 25 वर्षों की यात्रा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। संविधान में निहित स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों से प्रेरित होकर यह राज्य समावेशी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित विधानसभा परिसर में प्रस्तावित डॉ. अंबेडकर की यह भव्य प्रतिमा न केवल संविधान निर्माता को यथोचित सम्मान अर्पित करेगी, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए सामाजिक समता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरणा का प्रतीक भी बनेगी। उल्लेखनीय है कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर 12 दिसंबर 1945 को रायपुर आए थे और वर्तमान माधवराव सप्रे शाला परिसर (तात्कालीन लॉरी स्कूल) में ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित किया था। इस यात्रा ने छत्तीसगढ़ की धरती को उनके विचारों और व्यक्तित्व से सशक्त बनाया। यह पहल डॉ. अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी (ए.डब्ल्यू.एस.) की ओर से की गई है।

अब बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं जीपीएम जिले के पंप संचालकों ने उठाया कदम

- सभी पंप संचालकों ने ली रेडक्रॉस की आजीवन सदस्यता
- काव्या पेट्रोल पंप संचालक आदित्य साहू ने 25 हजार रुपये सेवा शुल्क देकर संरक्षक सदस्यता भी ग्रहण की

रायपुर/ संवाददाता

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में सड़क हादसों को कम करने और लोगों की जान बचाने के लिए अब प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी और पुलिस अधीक्षक श्री एस.आर. भगत की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में हुई बैठक में तय किया गया कि अब जिले के सभी पेट्रोल-डीजल पंपों पर नो हेलमेट-नो पेट्रोल नियम सख्ती से लागू किया जाएगा। बैठक में सभी पंप संचालकों ने इस फैसले का स्वागत किया और सहमति जताई। तय हुआ कि आने वाले एक हफ्ते तक जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को समझाया जाएगा कि पेट्रोल लेने के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। इसके लिए सभी पंपों पर चेतावनी वाले फ्लैक्स लगाए जाएंगे और चौक-चौराहों पर भी घोषणाएं की जाएंगी। इसके बाद प्रशासन हेलमेट की अनिवार्यता को सख्ती से लागू करेगा। बैठक में मानवता की सेवा के लिए जिला रेडक्रॉस सोसायटी की सदस्यता लेने पर भी चर्चा हुई। इसमें सभी पंप संचालकों ने 1000 रुपये शुल्क जमा कर आजीवन सदस्यता ली। इसके साथ ही, गौरेला के मथुरा पेट्रोल पंप संचालक उमेश अग्रवाल और पेंड्रा के काव्या पेट्रोल पंप संचालक आदित्य साहू ने 25 हजार रुपये सेवा शुल्क देकर संरक्षक सदस्यता भी ग्रहण की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम चंदेल, जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा सहित जिले के सभी प्रमुख पेट्रोल पंप संचालक और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम से जुड़े विभिन्न पंप संचालकों ने भी भाग लिया और इस जनहितकारी निर्णय का समर्थन किया। इस तरह प्रशासन और पंप संचालकों के संयुक्त प्रयास से जिले में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और हेलमेट पहनने की आदत से कई अनमोल जिंदगियां बचाई जा सकेंगी।

कचरा प्रबंधन हेतु 6.26 करोड़ रुपये नगर निगम चिरमिरी को मंजूर हुई....

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव का आभार माना स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन तथा उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रयासों से स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। राज्य स्तरीय तकनीकी समिति (स्स्ष्ट) की 8वीं बैठक में चिरमिरी नगर पालिक निगम क्षेत्र में सूखे और गीले कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए आधुनिक संयंत्र स्थापित करने तथा संयंत्रों के उन्नयन एवं विकास की योजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर कुल 6 करोड़ 26 लाख 27 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। स्वीकृत परियोजना के तहत सूखे कचरे के लिए उन्नयन एवं विकास हेतु 12 एमआरएफ प्लांट तथा गीले कचरे हेतु 12 नवीन विंड्रो कंपोस्ट प्लांट की स्थापना की जाएगी। संयंत्र निर्माण, उपकरण लागत और अतिरिक्त कार्यों को मिलाकर परियोजना की कुल लागत 4 करोड़ 51 लाख रुपए होगी, जबकि पांच साल के संचालन व संधारण पर 1 करोड़ 75 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस बड़ी पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव का क्षेत्र की जनता की तरफ से आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि इस परियोजना के जरिए चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में कचरा निस्तारण और रीसाइक्लिंग को नई दिशा मिलेगी। इससे शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने में मदद मिलेगी।

प्रज्ञा सिंह को मिला राष्ट्रीय शिक्षक का पुरस्कार.....

- 5 सितंबर को किया जाएगा सम्मानित
- गणित और सामाजिक कार्य में किया उल्लेखनीय कार्य

रायपुर। मानव संसाधन विभाग द्वारा छग की प्रज्ञा सिंह को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये जाने की जानकारी शिक्षा संचालनालय द्वारा ली गई है। शिक्षिका को पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। देश के राष्ट्रपति स्व. राधाकृष्णन की स्मृति में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है। दुर्ग जिले के थनौद गांव में कार्यरत शिक्षिका प्रज्ञा सिंह को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रज्ञा सिंह ने शिक्षा के गणित एवं अन्य विषयों को लेकर छात्रों में रूचि जगाई है उन्होंने वैज्ञानिक परख दृष्टिकोण से अध्ययन कार्य कराया है। इसके कारण उनका चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है। छग राज्य में राजभवन में पांच सितंबर को शिक्षकों का सम्मान किया जएगा। यह पुरस्कार वर्ष 24-25 में शेष शिक्षकों को दिया जाता है इसमें नकद तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। शिक्षा विभाग के अनुसार इस वर्ष करीब जिलों के अनुसार शिक्षकों का चयन किया जाएगा। इसके अलावा निजी एवं शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को भी साल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया जाएगा।

1.67 करोड़ से बनेगा नया नगर पालिका कार्यालय

विकास के लिए प्रतिबद्ध डबल इंजन की सरकार:केन्द्रीय राज्यमंत्री

- अटल जी के आशीर्वाद से तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़ : उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव
- रतनपुर में 4 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू तथा उप मुख्यमंत्री और बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज रतनपुर नगर पालिका में 4 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें एक करोड़ 67 लाख 70 हजार रुपए की लागत से नगर पालिका के नवीन कार्यालय का भूमिपूजन, 30 लाख रुपए की लागत से अटल परिसर निर्माण एवं 48 लाख 66 हजार रुपए की लागत से आश्रय स्थल का लोकार्पण शामिल हैं। रतनपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत एक करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से 76 कार्य स्वीकृत हुए हैं। दोनों अतिथियों ने इनमें से 5-5 हितग्राहियों को अनुज्ञा पत्र और पूर्ण हो चुके आवास के लिए आवास की चाबी सौंपी। कार्यक्रम में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, रतनपुर नगर पालिका अध्यक्ष श्री लवकुश कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि आज हमने अटल परिसर का लोकार्पण किया है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल जी का व्यक्तित्व सबसे ऊंचा है। उन्हें विपक्ष के लोग भी सम्मान देते थे। गांव में विकास की क्रांति लाने में उनका अमूल्य योगदान है। उन्होंने किसानों को साहूकारों के चंगुल से छुटकारा दिलाया। किसान क्रेडिट योजना किसानों के लिए वरदान साबित हुई। श्री साहू ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से सभी को फायदा हुआ है। रतनपुर को तालाबों की नगरी कहा जाता है। तालाबों के सौंदर्यीकरण

के लिए हम कार्य कर रहे हैं। रतनपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है। छत्तीसगढ़ की प्राचीन राजधानी और आदिशक्ति मां महामाया धाम में हमने आज अटल परिसर का लोकार्पण किया है। हमारी सरकार सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर बना रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि अटल जी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। आज यदि छत्तीसगढ़ विकास की ओर बढ़ रहा है तो अटल जी के कारण ही बढ़ रहा है। उन्होंने गांवों, गरीबों और किसानों की तरक्की के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। श्री साव ने रतनपुर में विकास कार्यों के लिए 4 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने नगर पालिका के पदाधिकारियों और अधिकारियों से कहा कि आप लोग तुरंत प्रस्ताव बनाकर भेजिए। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा तत्काल इन प्रस्तावों को मंजूर कर राशि जारी की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि इस वर्ष को हमने अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रतनपुर में हमने भीषण पेयजल के संकट को दूर किया है। हमारी सरकार बनने के बाद यहां लगातार विकास के काम हो रहे हैं। यहां लगभग 2900 आवास स्वीकृत हुए हैं जिनमें से 2296 आवास पूर्ण हो चुके हैं। रतनपुर के वैभव के अनुरूप ही इसे संवारने के लिए हमने वृहद कार्ययोजना बनाई है। कार्यक्रम में उन्होंने रतनपुर के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया और किताब का भी विमोचन किया। लोकार्पण+भूमिपूजन कार्यक्रम को बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला और कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती बीनू निराला, कोटा जनपद अध्यक्ष श्रीमती सूरज साधेलाल भारद्वाज, सीएमओ श्री के.के. पटेल, श्री रामदेव कुमावत, श्री दीपक सिंह और श्री मोहित जायसवाल सहित पार्षदगण, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

संपादकीय

सत्ता-विपक्ष के शोर में जनता के सवाल फिर दब गए

संसद कानून और नीति निर्माण करने वाली देश की सर्वोच्च संस्था है, जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है। देश की दिशा एवं दशा तय करने में इसकी अहम भूमिका होती है। यह सरकार के कामकाज की निगरानी करने और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर समाधान तलाशने का विशिष्ट मंच है। इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है, जहां जनता की संप्रभुता को अभिव्यक्ति मिलती है। जन प्रतिनिधियों से उम्मीद की जाती है कि वे आम लोगों से जुड़े मसलों को संसद में उठाकर नीति निर्माण में उनकी भूमिका सुनिश्चित करेंगे।मगर, संसद के मानसून सत्र के कामकाज पर गौर करें तो इन उम्मीदों पर सियासत के बादल मंडराते नजर आते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जन प्रतिनिधियों के लिए दलगत राजनीति जन सरोकार से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। संसद के अंदर और बाहर सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप के शोरगुल में असल मुद्दे गौण हो जाते हैं। इससे न केवल संसद का बहुमूल्य समय यों ही जाया हो जाता है, बल्कि सार्वजनिक धन की भी बर्बादी होती है।संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में महज 31 फीसद और राज्यसभा में 39 फीसद कामकाज हुआ। सत्र के दौरान कामकाज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे, मगर इस दौरान लोकसभा में केवल 37 घंटे और राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। दोनों सदनों में कुल 15 विधेयक पारित किए गए और तीन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति के पास विचार के लिए भेजा गया। सत्र के दौरान 'आपरेशन सिंदूर' को लेकर दोनों सदनों में विशेष चर्चा हुई, जिसकी मांग विपक्ष ने उठाई थी।मगर, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का मुद्दा दोनों सदनों में हंगामे और गतिरोध की प्रमुख वजह बना रहा। सत्तापक्ष का तर्क था कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और इस पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। सवाल है कि क्या सदन में हंगामे से कुछ हासिल हो पाया? इसके विपरीत इस वजह से दोनों सदनों में एक भी दिन प्रश्नकाल एवं शून्यकाल सामान्य तरीके से नहीं चल पाया और सत्र के दौरान गैर सरकारी कामकाज भी नहीं हो सका। यानी, मानसून सत्र के कामकाज की सूची में शामिल जन सरोकार से जुड़े कई मुद्दे बिना चर्चा और जवाब के ही रह गए।इसमें दोराय नहीं कि संसद सत्र नियमित रूप से चलाने का दायित्व सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों का है। लोकतंत्र में किसी भी मुद्दे पर विरोध दर्ज करना विपक्ष की भूमिका का एक हिस्सा है और सत्तापक्ष से उम्मीद की जाती है कि वह विपक्ष की आपत्तियों का निराकरण करे। मगर संसद में सार्थक और तर्कपूर्ण बहस करने के बजाय हंगामे से गतिरोध बनाए रखने से अंततः नुकसान देश की जनता का होता है।सियासी दलों और उनके जनप्रतिनिधियों को इस बात पर गंभीरता और गहराई से विचार करना चाहिए कि संसद का बहुमूल्य समय बर्बाद न हो। जन प्रतिनिधियों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे उस जन सरोकार को प्राथमिकता दें, जिसके लिए उन्हें चुना गया है। एक निर्दलीय सांसद ने तो संसद परिसर में प्रदर्शन कर यह मांग भी उठाई है कि सदन में हंगामे की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई सांसदों के वेतन से की जानी चाहिए। सहमति और असहमति होना लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन सामूहिक तौर पर प्रयास यही होना चाहिए कि सदन नियमित रूप से चले, ताकि जनकल्याण के लिए प्रभावी नीतियों का निर्माण हो सके।

इलीट लोगों के क्लब लगने वाली कांग्रेस पार्टी एक मॉस आर्गनाइजेशन में बदल जाती है। जवाहरल लाल नेहरू ने गांधी जी का जिक्र करते हुए इसमें बताया है कि गांधी जी ने सबसे बड़ा बदलाव जो भारतीय राजनीति में किया वो ये था कि उन्होंने लोगों के मन में जो खौफ था। अंग्रेजी साम्राज्य को लेकर जो डर था। गांधी ने मनोवैज्ञानिक स्तर पर और लोगों के मानस में एक बड़ा बदलाव किया। अंग्रेजों के डर को खत्म कर दिया। उन्होंने लोगों को अभय की बात सिखाई। अभय मतलब जिसको भय नहीं है। जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने देश की संसद में खड़े होकर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अभय मुद्रा का बार बार जिक्र किया। शिव की तस्वीर में और कांग्रेस का चुनाव चिह्न अभय मुद्रा है और ये निडर रहने की बात करता है।

पहले जापान फिर चीन...कूटनीति में यात्रा का क्रम कई संदेश देता है, एशियाई राजनीति में संतुलन साधेंगे मोदी

(नीरज कुमार दुबे)

अमेरिकी दृष्टि से यह यात्रा बेहद अहम है। वॉशिंगटन इसे गहराई से देखेगा, क्योंकि यह उसकी इंडो-पैसिफिक रणनीति, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और जापान की भूमिका– तीनों से जुड़ी है। भारत यहाँ अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर तक जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। यह दौरा केवल दो देशों की यात्रा भर नहीं है, बल्कि एशिया तथा वैश्विक राजनीति की दिशा और संतुलन को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इतना ही नहीं, इसके प्रभाव वॉशिंगटन तक भी पहुँचेंगे।

सबसे पहले, 29-30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी जापान जाएंगे, जहाँ वह प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ 15वें भारत-जापान वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। यह मोदी का जापान का आठवाँ दौरा और इशिबा के साथ उनकी पहली मुलाक़ात होगी। हम आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप है, जिसमें रक्षा-सुरक्षा, व्यापार, तकनीकी सहयोग और जन-से-जन संपर्क प्रमुख आधार हैं। इस यात्रा के माध्यम से मोदी यह संदेश देंगे कि भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक, पारदर्शी और नियम-आधारित व्यवस्था का प्रबल समर्थक है। जापान के लिए यह संकेत भी स्पष्ट होगा कि भारत उसके साथ गहरी साझेदारी चाहता है और चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच वह अकेला नहीं है।

इसके बाद, 31 अगस्त-1 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। एससीओ भारत की एशिया नीति का अहम हिस्सा है, जहाँ सुरक्षा, आतंकवाद और क्षेत्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होता है। इस मंच पर मोदी की मौजूदगी चीन के लिए यह संदेश है कि भारत टकराव नहीं बल्कि संवाद और बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर है। साथ ही यह भी स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान जैसे देशों के साथ सामरिक सहयोग बढ़ाकर बीजिंग पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाए रखने की क्षमता रखता है।

कूटनीति में यात्रा का क्रम भी संदेश देता है। मोदी ने पहले जापान और फिर चीन का दौरा तय कर यह जताया है कि भारत एशिया में अपनी स्वतंत्र रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चलता है। बीजिंग को संकेत दिया गया है कि भारत उसकी शर्तों पर नहीं झुकेगा और जापान को आश्वस्त किया गया है कि चीन के साथ संवाद उसकी कीमत पर नहीं होगा।

इसके अलावा, जापान के साथ रक्षा सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का संतुलन साधने में मदद कर सकता है, वहीं जापान निवेश और तकनीकी सहयोग का भी बड़ा स्रोत है। दूसरी ओर, चीन के साथ सीधे संवाद बनाए रखने से भारत को सीमा विवाद और स्ष्ट्ह्र जैसे मंचों पर अपनी स्थिति मजबूती से रखने का अवसर मिलता है। इस क्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का हालिया बयान उल्लेखनीय है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि परिस्थितियाँ मांगने पर चीनी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर लगी पाबंदियों की समीक्षा की जा सकती है। यह संकेत ऐसे समय आया है जब अमेरिका के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों में तनाव देखा जा रहा है और चीन के साथ तालमेल की संभावनाएँ खुल रही हैं।

अमेरिकी दृष्टि से यह यात्रा बेहद अहम है। वॉशिंगटन इसे गहराई से देखेगा, क्योंकि यह उसकी इंडो-पैसिफिक रणनीति, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और जापान की भूमिका– तीनों से जुड़ी है। भारत यहाँ अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा नहीं है। जापान में जाकर भारत अपने स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप को मजबूत करता है, जो अमेरिका की इंडो-पैसिफिक दृष्टि से मेल खाता है। वहीं चीन जाकर मोदी यह दिखाएंगे कि भारत अपने पड़ोस और बहुपक्षीय मंचों की अनदेखी नहीं करेगा।

बहरहाल, मोदी की जापान और चीन यात्रा अमेरिका को यह याद दिलाती है कि भारत उसका नेचुरल पार्टनर तो है, लेकिन जूनियर पार्टनर नहीं। भारत सहयोग का पक्षधर है, पर अपनी स्वायत्तता से समझौता नहीं करता। यह दौरा साफ़ तौर पर दिखाता है कि भारत किसी एक ध्रुव का हिस्सा बनने के बजाय संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति को प्राथमिकता देता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ट्रम्प, ट्रेड टैरिफ और टेररिज्म

प्रशांत शेखर

अमेरिक के प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प ने पुरे विश्व को ट्रेड टैरिफ के आग में झोंक दिया है. जिसके कारन पुरे विश्व के शेयर बाजार में सबसे पहले एक गिरावट और उसके बाद सतर्कता के साथ एक सिमित दायरे में कारोबार करने पे मजबूर कर दिया है जिससे विश्व भर के निवेशको में काफी रोस है. विगत 15 - 20 वर्षो से भारत और अमेरिका के सम्बन्धो में काफी मजबूती और भरोसा बढ़ रहा था किन्तु कुछ महीनो के भीतर अमेरिका ने ये फिर से साबित कर दिया की वो भरोसे के लायक है ही नहीं। अब भारत भी कदम काफी फुक-फुक के रख रहा है. आइये हम आपको टैरिफ वॉर को और इससे होने वाले फायदे और नुकसान को समझाते है.

क्या होता है ट्रेड टैरिफ ? यह एक प्रकार का कर या शुल्क है जो सरकारें एक देश में आयातित या निर्यातित वस्तुओं और सेवाओं पर लगाती हैं, और यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार बाधाओं में से एक है। इसका मुख्य उद्देश्य आयातित उत्पादों को महंगा बनाकर घरेलू उत्पादकों की रक्षा करना और सरकार के लिए राजस्व उत्पन्न करना होता है।

इससे एक देश दूसरे देश से व्यापर घाटे को कम करने की कोसिस करता है. किन्तु इस कोसिस से ज्यादा ट्रम्प इसे एक शस्त्र की तरह इस्तेमाल करके दूसरे देशों को धमकाने की कोसिस कर रहे है. खुद अमेरिक के बड़े बड़े थिंक टैंकर और अर्थशास्त्री इन्हे ऐसा करने से मना कर रहे है. खाई ऐसा न हो जाय की ये बैक फायर करदे।

इससे खुद अमेरिका में महंगाई बढ़ेगी और रोजगार के संकट बढ़ेंगे। अमेरिका की वित्तीय स्तिथि अच्छी नहीं चल रही है। अमेरिका के ऊपर उसके जीडीपी से ज्यादा डेब्ट है। अगस्त 2025 के आँकड़ों के अनुसार, अमेरिका का राष्ट्रीय ऋण लगभग 37 ट्रिलियन है, जो कि उसकी जीडीपी से अधिक है, लगभग 122 प्रतिशत से 124 प्रतिशत तक। यह स्थिति पिछले कई दशकों से बनी हुई है और भारत सहित कई अन्य देशों की तुलना में अमेरिका का कर्ज अनुपात बहुत ज़्यादा है।

भारत के लिए इस आपदा में अवसर है ? वर्तमान में ट्रम्प के रुख ने भारत को ये सोचने पे विवस कर दिया है की किसी भी एक देश पे ज्यादा निर्भरता ठीक नहीं है। भारत के प्रधानमंत्री ने इसे बखूबी समझ भी लिया है और अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपाई चीन, रूस, साउथ अफ्रीका, यूरोप और अन्य देशो से करने की रणनीति बनाने में जूट गया है। प्रधानमंत्री मोदी 29 अगस्त से 1 सितम्बर जापान और चीन के दौरे पे रहेंगे। इसको लेके पूरा विश्व का ध्यान आकर्षित हो रखा है। खुद अमेरिका की नींद उडी हुई है। क्योंकि इस बदलते समीकरण का असर पूरे विश्व पर पड़ेगा।

स्वाधीनता का बलिदानी महाकाव्य, बैसवारे का प्राणोत्सर्गी भगवंत- महावीर राना बेनी माधव

(प्रणय विक्रम सिंह)

1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास की वह अग्निज्वाला था, जिसने गुलामी की जंजीरों को पहली बार तपा दिया। यह केवल बंदूकों की गोली नहीं थी, यह जनचेतना की समिधा थी। उसी धधकती अग्नि में अवध की धरती से एक नाम सूर्य की भांति उदित हुआज्महावीर सेनानायक राना बेनी माधव बख्श सिंह।

वे बैसवारे के बलिदानी रत्न, अवध की आन-बान और स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत थे। उनकी वीरता में ध्वंस की धार और धैर्य की गहराई दोनों साथ-साथ प्रकट होती हैं। उनका जीवन केवल रणक्रीड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का रससिद्ध महाकाव्य था, जो आज भी इतिहास की वीणा पर गूंजता है।

उन्नाव-रायबरेली जनपद का बैसवारा सदा से साहस और स्वाभिमान का शरणस्थल रहा है। वहीं से निकले राना बेनी माधव सिंह, जिनके लिए जीवन का एक ही ध्येय था, मातृभूमि की महिमा और अस्मिता की रक्षा।

अंग्रेजों के अत्याचार ने जब जनमानस को जकड़ लिया, तब उन्होंने शपथ ली कि

जहां तक श्वास, वहां तक संघर्ष

जब मेरठ से क्रांति की ज्वाला भड़की, अवध भी अग्निकुंड बन गया। राना बेनी माधव ने किसानों, सैनिकों और क्रांतिकारियों को संगठित कर अंग्रेजों को सीधी चुनौती दी। उनका सिंहनाद उद्घोष था कि बैसवारा खेती की धरती ही नहीं, रण की रक्तरंजित रणभूमि भी है। लखनऊ की सीमाओं तक उनकी रणक्रीड़ा ने अंग्रेजों को हिला दिया। राना ने बैसवारे की धरती को स्वतंत्रता का दुर्ग बना दिया, जहां हर किसान, हर सिपाही और हर गांव विद्रोह का गढ़ बन गया। यह वीर सेनानायक अंत तक रणभूमि में डटे रहे। अंग्रेजों की असंख्य फौजें भी उनके साहस को झुका न सकीं। उन्होंने मातृभूमि के चरणों में अपना रक्त अर्पित कर सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता का सूर्योदय बलिदान की संध्या से ही होता है।

उनके बलिदान के बाद जनकंठ से यह उद्घोष गूंज उठा

अवध मा राणा भयो मरदाना

राना के बलिदान ने बैसवारे की धरती की बलिदानी परम्परा को जीवंत कर दिया। गांव-गांव में गाथाएं गूंज उठीं।

राना जी की रणभेरी,
अंग्रेजों की नींव हिलावे

यही चेतना थी जिसने अवध को स्वतंत्रता संग्राम का अग्रदूत और बैसवारे को बलिदान का आधार बना दिया। जब किसी नायक का नाम लोकगीतों, कहावतों और कथाओं में बस जाता है, तब वह इतिहास से आगे बढ़कर संस्कृति का हिस्सा बन जाता है।

राना बेनी माधव आज केवल बैसवारे के सेनानायक नहीं, बल्कि अवध की आत्मा और भारतीय स्वतंत्रता चेतना के अमर प्रतीक हैं। उनकी जयंती पर अवध मा राना भयो मरदाना का स्मरण केवल अतीत की कथा नहीं, बल्कि वर्तमान का संकल्प है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल सत्ता-परिवर्तन नहीं, बल्कि लोकजीवन का पुनर्जागरण है। राना का बलिदान हमें यह संदेश देता है कि जब तक समाज साहस और संगठन से जुड़ा रहेगा, तब तक उसकी अस्मिता पर कोई आंच नहीं आ सकती। राना बेनी माधव का जीवन कोई साधारण गाथा नहीं, बल्कि स्वाधीनता का शौर्य-श्लोक है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि क्षत्रिय की तलवार केवल भूमि की रक्षा के लिए नहीं उठती, बल्कि वह संस्कृति और स्वाभिमान की भी प्रहरी होती है। उनका बलिदान उस अग्निशिखा के समान है, जो समय के अंधकार में भी बुझती नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकाश बनकर जलती रहती है।

उनका सिंहनाद उद्घोष था कि बैसवारा खेती की धरती ही नहीं, रण की रक्तरंजित रणभूमि भी है। लखनऊ की सीमाओं तक उनकी रणक्रीड़ा ने अंग्रेजों को हिला दिया। राना ने बैसवारे की धरती को स्वतंत्रता का दुर्ग बना दिया, जहां हर किसान, हर सिपाही और हर गांव विद्रोह का गढ़ बन गया। यह वीर सेनानायक अंत तक रणभूमि में डटे रहे। अंग्रेजों की असंख्य फौजें भी उनके साहस को झुका न सकीं।

वे बैसवारे के गौरव, अवध के आलोक और भारत की अमर प्रेरणा हैं। उनकी जयंती केवल स्मृति का क्षण नहीं, बल्कि संकल्प का समय भी है। हम संकल्प लें कि स्वतंत्रता के उस रक्त-रंजित बीज को कभी मुरझाने न देंगे, जिसे राणा जैसे वीरों ने अपने प्राणों से सींचा था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के जीवंत महाकाव्य राना का नाम इतिहास एवं लोकगीतों में अमर है और भारत माता का आकाश सदैव उनके जयघोष से गूंजता रहेगा। हम जब भी उन्हें नमन करते हैं, तो यह उद्घोष अपने आप हो उठता है।

अवध मा राना भयो मरदाना,
भारत मा राना भयो भगवाना
जय हिंद
जय बैसवारा
जय भवानी

आम जीवन सरल बनाने में मदद कीजिए

मेल आनी चाहिए। किंतु ऐसा हो नहीं रहा। वैसे प्रत्येक ट्रांजेक्शन के मैसेज आते रहते हैं। केबाईसी कराना है, इसका पता तब चलता है जब खातेधारक के चैक का भुगतान रोक दिया जाता है। वह पेमेंट नहीं कर पाता। भुगतान रोकने के कारण चैक जारी करने वाले पर संबधित बैक या सस्थाएं चार सौ से आठ सौ रूपये तक का जुर्माना लगा देती है। मैंने पिछले साल ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी को अपनी मेडिक्लेम पोलिसी के लिए चैक दिया। चैक बैंक गया तो भुगतान रूक गया। मैं बैंक गया। बैंक प्रबंधक ने खाता देखकर कहा कि खाता आपका जारी है।

(अशोक मधुप)

अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी। अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराइए। आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले।

सरकारों का काम आदमी के जीवन को सरल बनाना है। तकनीक के माध्यम से उसे ऐसी सुविधाएं देना है कि वह परेशान न हो, किंतु भारत में हो इसके विपरीत रहा है। उन्हें अलग?अलग काम के लिए थोड़ी? थोड़ी बात के लिए परेशान किया जा रहा है। उनके जीवन को दुरूह किया जा रहा है।

आज सबसे बड़ी परेशानी हैं बैंको में जाकर खाते की केवाईसी कराने की। बैंकों की केवाईसी के नाम पर बैंक खाताधारक को परेशान किया जा रहा है। हालत यह है कि केवाईसी करानी है, इसकी उसे सूचना भी नहीं मिलती। उसे उसके लिए बैंक की ओर से मैसेज भी नहीं आता।

मेल आनी चाहिए। किंतु ऐसा हो नहीं रहा। वैसे प्रत्येक ट्रांजेक्शन के मैसेज आते रहते हैं। केबाईसी कराना है, इसका पता तब चलता है जब खातेधारक के चैक का भुगतान रोक दिया जाता है। वह पेमेंट नहीं कर पाता। भुगतान रोकने के कारण चैक जारी करने वाले पर संबधित बैक या सस्थाएं चार सौ से आठ सौ रूपये तक का जुर्माना लगा देती है। मैंने पिछले साल ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी को अपनी मेडिक्लेम पोलिसी के लिए चैक दिया। चैक बैंक गया तो भुगतान रूक गया। मैं बैंक गया। बैंक प्रबंधक ने खाता देखकर कहा कि खाता आपका जारी है। चैक का भुगतान कैसे रूका पता नहीं। उनके एक स्टाफ ने देखकर बताया कि खाता बंद किया हुआ है। बैंक प्रबंधक ने कहा कि अब सब कंप्यूटराइज है। हमें पता नहीं चलता और खुद जाता है। बैंक स्टाफ के पता है या नहीं। इससे खाताधारक को क्या लेना। मेरे से तो इंश्योरेंस कंपनी ने चैक डिस ओनर होने के छह सौ रूपये अतिरिक्त वसूल लिए। मुझे तो फालतू का छह सौ रूपये का दंड़ पड़ गया।

अभी लाकर आपरेट करने बैंक जाना पड़ा तो बैंक स्टाफ ने कहा कि

इसकी केवाईसी कराइये। हमने कहा कि अभी खाते की तो कराई है। उनका कहना था कि बैंक लॉकर की भी करानी है। लॉकर बैंक के खाते से जुड़ा है, यह बताने पर भी बैंक कर्मी नहीं माने। यदि आपके पास चार?पांच बैंक खाते हैं तो प्रत्येक दो साल से केवाईसी कराने जरूर जाना होगा।

अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी। अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराइए। आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले। अभी परिवहन विभाग का मैसेज आया है कि आधार आथोराइजेशन माध्यम से अपने ड्राइविंग लाइसेंस पर अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराइए। समझ नही आ रहा कि क्या?क्या कराएं। हम पर ये सब करना नहीं आता। इसका मतलब ये की रोज जनसेवा केंद्र पर जाइये। लाइन में लगिए और पैसा भी दीजिए। लगता है कि कहीं ये जनसेवा केंद्र की आय बढ़ाने के लिए तो नहीं किया जा रहा।

अभी पिछले दिनों आदेश आया कि अपना आधार कार्ड प्रत्येक दस साल में अपडेट कराना है। मैं छोटे शहर में रहता हूं। यहां कि आबादी दो लाख के करीब है। पूरे शहर में आधार कार्ड अपडेट कराने का एक ही सेंटर है। मुख्य डाकघर। उसमें आधार कार्ड बनवाने वालों की सवेरे आठ बजे से लाइन लग जाती है। हम 75 साल से ऊपर के पति?पत्नी कैसे उस लाइन में लगें, ये कोई सोचने और बताने वाला नहीं है। दूसरे केंद्र का दरवाजा खुलने पर इस तरह धक्का-मुक्की होती है कि हम लाइन में लगे तो हाथ?पांव तुड़ाकर जरूर अस्पताल जांएगे।

केद्र सरकार / रिजर्व बैंक को आदेश करना चाहिए कि बैंक अपने यहां अतिरिक्त स्टाफ रखे। उसके कार्य सिर्फ खाते धारकों से समय लेकर उनके खातों की केवाईसे कराना हो। सरकार जिस तरह वोट बनवाती है। वोटर का वेरिफिकेशन कराती है। उसी तरह से केवाईसी कराई जाए। इसके बैंक खाता धारकों को सुविधा होगी। केवाईसी कराने के लिए रखे जाने वाले युवाओं को रोजगार मिलेगा। यही काम राज्य की बिजली कंपनी कर सकती हैं। विभागीय मीटर रीडर माह में एक बार रीडिंग लेने उपभोक्ता के घर जाते हैं। वे ही उपभोक्ता से केवाईसी के पेपर लेले। मीटर रीडर को उपभोक्ता जानते हैं उन्हें पेपर देते किसी उपभोक्ता को परेशानी भी नहीं होगी। मीटर रीडर आफिस आकर इस कार्य में लगे स्टाफ को पेपर देकर केवाईसी कराए। हो यह रहा है कि संबधित विभाग बैंक/ बिजली अपना कार्य उपभोक्ता पर डाल उसके जीवन को कठिन बना रहे हैं, जबकि उन्हे अपने ग्राहकों को सुविधाएं देनी चाहिए थीं। ऐसा ही आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए। हां इसके लिए उपभोक्ता से थोड़ा बहुत चार्ज लिया जा सकता है। अभी एक मैसेज आया कि आपका इन्कमटैक्स का रिटर्न स्वीकार कर लिया गया है। मैंने अभी रिटर्न भरा नहीं, सो ये मैसेज बेटे को भेज दिया कि शायद उसने रिटर्न भरा हो। उसका जबाब आया कि पापा इस मैसेज के लिंक पर क्लिक मत करना। ये गलत लगता है।

आज सबसे बड़ी समस्या है कि सही और गलत का कैसे तय हो। किसी न किसी तरह धोखे में लेकर रोज हजारों व्यक्ति रोज ठगे जा रहे हैं। इससे कैसे बचा जाए? ऐसे हालात में जीवन दुरूह होता जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों को आम आदमी का जीवन को सरल बनाने के लिए काम करना चाहिए। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या जेलेंस्की से मिलेंगे रूसी राष्ट्रपति पुतिन?

ट्रंप ने कहा कि पुतिन जेलेंस्की से मिलने के लिए तैयार नहीं

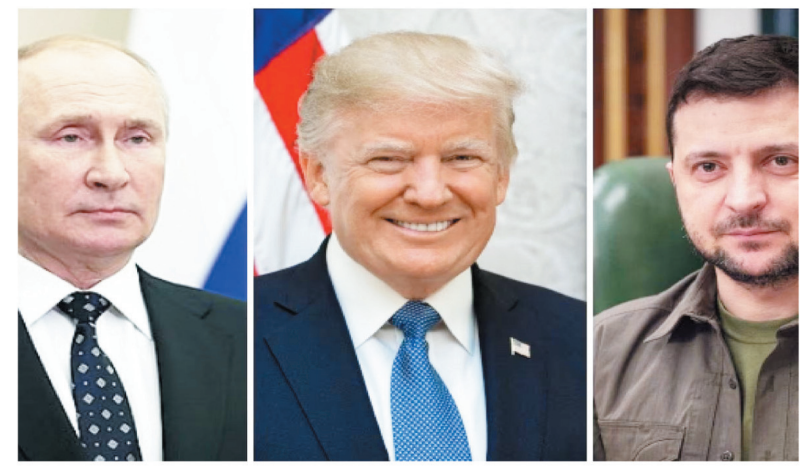

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को लेकर बड़ा बयान दिया। सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि पुतिन जेलेंस्की से मिलने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा कि पुतिन को जेलेंस्की पसंद नहीं हैं। इसके साथ ही, ट्रंप ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन से मिलने की इच्छा जताई और विश्व भर में परमाणु हथियारों पर नियंत्रण की जरूरत पर जोर दिया।

पुतिन-जेलेंस्की गतिरोध

जब ट्रंप से पूछा गया कि पुतिन जेलेंस्की से मिलने में क्यों हिचकिचा रहे हैं, तो उन्होंने साफ कहा कि क्योंकि वह उन्हें पसंद नहीं करते। ट्रंप ने बताया कि वाशिंगटन में जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन के बाद उन्होंने पुतिन से बात की थी। उन्होंने कहा कि मेरी उनसे हर बातचीत अच्छी रही है। लेकिन फिर दुर्भाग्य से कीव या कहीं और बम गिराए जाते हैं, जिससे मुझे बहुत गुस्सा आता है। ट्रम्प का यह बयान रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के उस बयान के एक दिन बाद आया, जिसमें उन्होंने एनबीसी न्यूज को बताया कि पुतिन यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन जेलेंस्की की वैधता पर सवाल उठाए। लावरोव ने कहा था कि जब दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने का समय आएगा, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हस्ताक्षर करने वाला व्यक्ति वैध है। यूक्रेनी संविधान के अनुसार, जेलेंस्की वैध नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जेलेंस्की यूक्रेनी शासन के वास्तविक प्रमुख बने रहेंगे, लेकिन किसी समझौते पर हस्ताक्षर कौन करेगा, यह एक गंभीर मुद्दा है।

किम जोंग उन से मुलाकात पर ट्रंप: दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग की यात्रा से पहले वाइट हाउस में पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या वह किम जोंग उन से दोबारा मिलना चाहते हैं। ट्रंप ने जवाब दिया कि किसी दिन मैं उनसे मिलूंगा। हम किसी मोड़ पर जरूर मिलेंगे। बता दें कि ट्रंप पहले ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति थे, जिन्होंने किम से 2018 और 2019 में तीन बार मुलाकात की। हालांकि, इन ऐतिहासिक मुलाकातों के बावजूद कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। प्योंगयांग ने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू कर दिए और परमाणु निरस्त्रीकरण पर कोई समझौता नहीं हो सका।

ट्रंप का परमाणु निरस्त्रीकरण संदेश

रूस और उत्तर कोरिया पर अपनी टिप्पणियों के साथ, ट्रंप ने परमाणु अप्रसार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अपने आधिकारिक अकाउंट पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि रूस और चीन के साथ हम जो कोशिश कर रहे हैं, उनमें से एक है परमाणु निरस्त्रीकरण। हम परमाणु हथियारों का प्रसार नहीं होने दे सकते। हमें इन्हें रोकना होगा। उनकी शक्ति बहुत अधिक है। इस बयान में ट्रंप ने परमाणु विस्तार को सीमित करने के लिए मास्को और बीजिंग को शामिल करने की अपनी कोशिश को रेखांकित किया, जबकि उनका प्रशासन यूरोप और कोरियाई प्रायद्वीप में तनावों से जूझ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में यहूदी हमले का मास्टरमाइंड निकला ईरान

मेलबर्न , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ऑस्ट्रेलिया में कम से कम दो यहूदी विरोधी हमलों में ईरान का हाथ होने का आरोप लगाते हुए कहा कि खुफिया जानकारी से ये बातें पता चलने के मद्देनजर ऑस्ट्रेलिया में ईरान के राजदूत को निष्कासित किया जाएगा। अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन (एएसआईओ) ने निष्कर्ष निकाला है कि ईरान सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में कोषेर (यहूदी धार्मिक कानूनों के अनुसार तैयार किया गया भोजन) खाद्य कंपनी 'लुईस कॉन्टिनेंटल किचन और पिछले साल दिसंबर में मेलबर्न में अदस इजराइल आराधनालय पर हमले का निर्देश दिया था। उन्होंने बताया कि इस घोषणा से कुछ समय पहले ऑस्ट्रेलिया सरकार ने देश में ईरान के राजदूत अहमद सादेगी को सूचित किया कि उन्हें निष्कासित किया जाएगा। अल्बनीज ने बताया कि सरकार ने ईरान में तैनात ऑस्ट्रेलियाई राजनयिकों को भी किसी तीसरे देश में भेज दिया है। हमास और इजराइल के बीच 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से इन दोनों शहरों में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है। अल्बनीज ने खुफिया एजेंसी का हवाला देते हुए संवाददाताओं से कहा, ''एएसआईओ पर्याप्त विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर एक बेहद परेशान करने वाले निष्कर्ष पर पहुंचा है। इनमें से कम से कम दो हमलों का निर्देश ईरान सरकार ने दिया था। ईरान ने अपनी संलिप्तता छिपाने की कोशिश की लेकिन एएसआईओ का आकलन है कि हमलों के पीछे ईरान का ही हाथ था। अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ईरान के इस्लामिक 'रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए कानून बनाएगा। उन्होंने कहा, ''ये ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी अन्य राष्ट्र द्वारा रची गई असाधारण और खतरनाक आक्रामकता की घटनाएं थीं। उन्होंने कहा, ''ये सामाजिक एकता को कमजोर करने और हमारे समुदाय में फूट पैदा करने की कोशिश थीं। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

डॉक्टर भी रह गए हैरान! सीटी स्कैन कराने गई महिला वकील की अचानक मौत, सामने आई चौंकाने वाली वजह

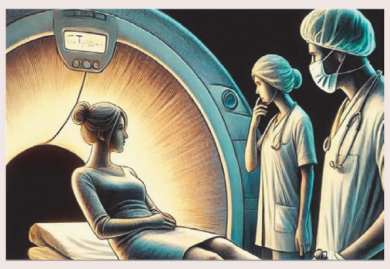

टोरंटो , एजेंसी। ब्राजील में एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। यहां रियो डो सुल के एक अस्पताल में सीटी स्कैन करा रही 22 वर्षीय महिला वकील लेटिसिया पॉल की अचानक मृत्यु हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक पॉल को गंभीर एलर्जी की वजह से एनाफिलेक्टिक शॉक हुआ और तमाम कोशिशों के बावजूद डॉक्टर उन्हें बचा नहीं पाए। रिपोर्ट के अनुसार एनाफिलेक्टिक शॉक एक अचानक होने वाली गंभीर और जानलेवा एलर्जी प्रतिक्रिया है। इसके लक्षणों में साँस लेने में कठिनाई, गले में सूजन और ब्लड प्रेशर में अचानक कमी शामिल है। लेटिसिया पॉल की चाची सैंड्रा पॉल ने बताया कि लेटिसिया को किडनी स्टोन था और वह नियमित जांच के लिए अस्पताल गई थीं। वह कानून और रियल एस्टेट में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही थीं और उनके बड़े सपने थे। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार सीटी स्कैन, एमआरआई और एक्स-रे में अंगों और ऊतकों की तस्वीरों को साफ करने के लिए आयोडीन वाली कंट्रास्ट डाई का इस्तेमाल किया जाता है। यह डाई ज्यादातर सुरक्षित होती है लेकिन 5000 से 10,000 मरीजों में से किसी एक को गंभीर एलर्जी हो सकती है जो जानलेवा साबित होती है।

दिवगंत कारोबारी स्वराज पॉल की याद में रखी गई प्रार्थना सभा, बेटे ने कहा- आगे बढ़ाऊंगा ईमानदारी की विरासत

लंदन, एजेंसी। जाने-माने अप्रवासी भारतीय कारोबारी लॉर्ड स्वराज पॉल का कुछ दिन पहले 94 साल की उम्र में लंदन में निधन हुआ। उनके बेटे आकाश पॉल ने कहा कि उनके पिता की सच्चाई, भरोसा और ईमानदारी की विरासत हमेशा उनके परिवार और उनके कारोबार कैपैरो समूह का मार्गदर्शन करती रहेंगी। लंदन के चिड़ियाघर में एक प्रार्थना सभा रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। यह वही चिड़ियाघर है जिसे लॉर्ड पॉल ने अपने पैसे से बंद होने से बचाया था। इसलिए उनकी याद में यह जगह चुनी गई। इस कार्यक्रम में उनके दोस्त, कारोबारी, नेता और समाज सेवा से जुड़े लोग शामिल हुए। प्रार्थना के दौरान वैदिक मंत्रों का पाठ किया गया।

कैपैरो समूह के निदेशक आकाश पॉल ने पीटीआई से कहा, पिता के लिए लोगों का इतना प्यार और सम्मान देखकर मैं भावुक हूं, शारीरित रूप से उत्साहित हूं और श्रद्धांजलि देने वालों की संख्या देखकर आश्चर्यकित हूं, लेकिन उनके (दिवंगत पिता) गुणों से हैरान नहीं हूं। आकाश ने कहा, मुझे पिता की महान आत्मा पर गर्व है। अब मैं मन से प्रेरित हूं कि उन्होंने जो ईमानदारी, मेहनत और अच्छे सिद्धांतों की मजबूत विरासत छोड़ी है, मैं उसे आगे बढ़ाता रहूं। सच्चाई, भरोसे और साफ दिल से काम करना ही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जो हमेशा हमारे साथ रहेगी।

आकाश ने बताया कि जब वह अपनी पत्नी के साथ आइसलैंड घूमने गए थे, तभी खबर मिली कि पिता उनसे और पोते से बात करना चाहते हैं। जब फोन कान पर लगाया गया, तो आकाश रो पड़े। उन्होंने कहा, मैंने पिता से कहा कि मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं और जल्दी मिलूंगा। लेकिन यही मेरी उनसे आखिरी बात थी। जैसे ही मैंने अपनी बात खत्म की, कुछ ही मिनट में उनके देखभाल करने वाले का फोन आया कि पिता ने मेरी आवाज सुनकर ही दुनिया को अलविदा कह दिया।

जुलाई 2024 में लॉर्ड पॉल ने आकाश को वूल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय में सम्मानित किया था। उस वक्त उन्होंने कहा था कि आकाश ने उनके कारोबार को भारत, यूरोप, अमेरिका और ब्रिटेन में आगे बढ़ाया है। आकाश ने कहा, मैं ए से लेकर जेड तक हर अक्षर का इस्तेमाल यह बताने के लिए इस्तेमाल कर सकता हूं कि वह उद्योग जगह के एक महान शख्स क्यों थे। इस प्रार्थना सभा में उनके भाई अंबर, बहन अंजली, उनके पोते-पोतियां, पड़पोते और परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल हुए।

लॉर्ड स्वराज पॉल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ था। उन्होंने अपनी बेटी अम्बिका की मौत के बाद लंदन आकर मेहनत से बहुत बड़ा कारोबार खड़ा किया। उन्होंने भारत और इंग्लैंड के संबंधों को भी मजबूत किया। बाद में उन्होंने अपनी बेटी, बेटे और पत्नी की याद में समाज सेवा का काम शुरू किया- जैसे बच्चों के लिए चिड़ियाघर, स्कूलों को मदद और कई दान कार्य। अपनी किताब में उन्होंने लिखा था, मैं बहुत बड़ा आदमी बनने का सपना नहीं देखता था। मैंने जो भी पाया, वो मेहनत से पाया। लेकिन अब मेरी एक ही ख्वाहिश है कि बच्चों का चिड़ियाघर दुनिया का सबसे अच्छा चिड़ियाघर बने।

दुखद घटना पर गहरा अफसोस, पत्रकारों की मौत पर नेतन्याहू बोले- जांच होगी

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा में इजरायल के हमले जारी हैं। हमास के उग्रवादियों को निशाना बनाने का दावा करने वाले इजरायली हमलों में आम नागरिक, पत्रकार और मेडिकल कर्मचारी बड़ी संख्या में मारे जा रहे हैं। सोमवार को इजरायल ने गाजा पट्टी के एक अस्पताल पर हवाई हमला किया, जिसमें पांच पत्रकारों सहित 22 लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मृतकों के प्रति खेद जताया और जांच की बात कही।

नेतन्याहू ने क्या कहा?: प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इजरायल को गाजा के नासिर अस्पताल में हुई दुखद घटना पर गहरा अफसोस है। उन्होंने कहा कि इजरायल पत्रकारों, स्वास्थ्यकर्मियों और सभी नागरिकों के काम को महत्व देता है। सैन्य अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं। हमारा युद्ध केवल हमास के आतंकियों के खिलाफ है। हमारा एकमात्र लक्ष्य हमास को हराना और अपने बंधकों को सुरक्षित वापस लाना है।

पत्रकारों और डॉक्टरों की मौत: बता दें कि सोमवार की घटना में रॉयटर्स, एसोसिएटेड प्रेस और अल जजीरा के पत्रकार मारे गए। तीनों समाचार एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है। मृतकों में अल जजीरा के मोहम्मद सलामा, रॉयटर्स के कैमरामैन हुसाम अल-मसरी और एपी के लिए काम करने वाले स्वतंत्र पत्रकार मरियम अबू दक्का शामिल थे। गाजा के सिविल डिफेंस संगठन ने बताया कि उनके एक क्रू मेंबर की भी इस हमले में मौत हो गई।

अस्पताल प्रशासन का बयान: अस्पताल प्रशासन ने बताया कि इजरायल के पहले हमले में चौथी मंजिल को निशाना बनाया गया, और कुछ देर बाद दूसरी मंजिल पर हमला हुआ। इस हमले से एम्बुलेंस और आपातकालीन सुविधाओं को भी नुकसान पहुंचा। हमले के बाद पूरे अस्पताल में दहशत फैल गई और चारों ओर धुआं छा गया।

6 अगस्त से गाजा पर लगातार हमले: गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी इजरायल के एक हमले में कई पत्रकार मारे गए थे। इजरायल ने आरोप लगाया था कि मारा गया अल जजीरा का पत्रकार हमास के लिए काम करता था और वहां से वेतन लेता था। गाजा में इजरायली हमलों में सोमवार सुबह से कम से कम 61 लोग मारे गए हैं, जिनमें सात लोग मानवीय सहायता लेने के लिए कतार में खड़े थे। गाजा की नागरिक सुरक्षा के अनुसार, इजरायल ने 6 अगस्त से गाजा शहर में 1000 इमारतों को नष्ट कर दिया है।

वियतनाम से टकराया तूफान, दक्षिण पूर्व एशिया के कई हिस्सों में भारी बारिश-बाढ़ की चेतावनी

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में एक उष्णकटिबंधीय तूफान के आने के बाद मंगलवार को दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। वियतनाम की राजधानी में भी भारी बारिश हुई, जिसके चलते सड़कों पर पानी भर गया, होर्डिंग उड़ गए और बिजली के खंभे और पेड़ गिर गए। वियतनाम के सरकारी मीडिया ने बताया कि तूफान काजिकी के चलते अब लाओस के ऊपर एक उष्णकटिबंधीय दबाव क्षेत्र बन गए हैं। थाईलैंड में भी बारिश का अनुमान है।

छह लाख लोगों को सुरक्षित जगह ले जाया जा रहा: वियतनाम सरकार ने भारी बारिश के चलते थान होआ, क्वांग त्रि, ह्यू और दानंग प्रांतों में लगभग 600,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की योजना बनाई है। तूफान के असर से इन इलाकों में बड़ी संख्या में घर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में हैं। यही वजह है कि सरकार लोगों को प्रभावित इलाकों से निकाल रही है। इस काम में सरकार ने 16,500 से ज़्यादा सैनिक और 107,000 अर्धसैनिक बल के जवानों को लगाया है। सोमवार को उड़ानें रोक दिए जाने के बाद थान होआ और क्वांग बिन्ह प्रांतों के दो हवाई अड्डे मंगलवार को भी बंद रहे।

तूफान और भारी बारिश से हुआ नुकसान: राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने बताया कि काजिकी तूफान के चलते वियतनाम में 117 किलोमीटर प्रति घंटे (73 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई। तूफान ने होर्डिंग और कई इमारतों की छतें उड़ा दीं, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे गिर गए। यह तूफान सोमवार दोपहर वियतनाम से टकराया, जिससे तटीय प्रांतों में बाढ़ आ गई।

जलवायु परिवर्तन के चलते दक्षिण पूर्व एशिया में ज्यादा आएंगे तूफान: मध्य वियतनाम के थान होआ और हा तिन्ह प्रांतों में रात भर भारी बारिश होती रही। राजधानी हनोई की सड़कें भी भारी बारिश से जलमग्न हो गईं। काजिकी तूफान के चलते चीन के दक्षिणी हैनान द्वीप पर भी तेज़ हवाएं और बारिश हुई थी। वैज्ञानिकों ने पिछले साल एक प्रकाशित अध्ययन में चेतावनी दी थी कि जलवायु परिवर्तन से गर्म हुए समुद्रों के परिणामस्वरूप दक्षिण पूर्व एशिया के चक्रवात जमीन के करीब बनेंगे, वे तेज़ी से मजबूत होंगे और लंबे समय तक चलेंगे, जिससे शहरों के लिए जोखिम बढ़ जाएगा।

चीन में काजिकी तूफान से पहले 20 हजार लोग हटाए गए

सान्या, एजेंसी। चीन के सान्या शहर में काजिकी नामक तूफान से मंगलवार सुबह तक 320 मिमी (12.6 इंच) तक बारिश होने की आशंका है। इसे देखते हुए अधिकारियों ने दुकानें और सार्वजनिक परिवहन को बंद कर दिया है। तूफान के चीन के द्वीपीय प्रांत हैनान के दक्षिणी तट से गुजरने के दौरान तेज हवा-बारिश की आशंका है। इसे दखेते हुए 20,728 लोगों को क्षेत्र से हटाया गया है। हैनान में 2,800 से ज्यादा बचावकर्मी तैनात किए गए हैं। सभी 30,769 मछली पकड़ने वाली नौकाएं बंदरगाह पर लौट आई हैं। वहीं, वियतनाम में तूफान के मद्देनजर लाखों लोगों को सुरक्षित हटाया गया है। सोमवार सुबह तूफान की गति 166 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई थी। इसके असर से कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है।

मूसलाधार बारिश ने मचाई तबाही, 3 बच्चों समेत 17 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुछ हिस्सों में पिछले 24 घंटे में मूसलाधार बारिश और आंधी के कारण तीन बच्चों सहित कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 50 व्यक्ति घायल हो गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा में ये मौतें ऐसे समय में हुई हैं, जब पाकिस्तान 26 जून से 20 अगस्त के बीच आए शुरुआती मानसून से जूझ रहा है, जिसमें शनिवार तक 788 से ज़्यादा लोग मारे गए और 1,018 घायल हुए हैं। खैबर पख्तूनख्वा सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के प्रवक्ता बिलाल फैजी ने बताया कि डेरा इस्माइल खान जिले और आसपास के इलाकों में रविवार तड़के तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। इस दौरान बारिश से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक व्यक्ति घायल हो गए। फैजी ने बताया कि घायलों को दो अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कई लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। 'रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता ने बताया कि एक अन्य घटना में निचले दीर जिले के मैदान के टिकाटक क्षेत्र में एक मकान की छत ढहने से तीन बच्चों की मौत हो गई। मर्दन जिले के तख्तभाई इलाके में मूसलाधार बारिश के कारण एक घर की छत गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। तूफान के कारण पेड़ उखड़ गए और बिजली की लाइनें गिर गईं, जिससे डेरा इस्माइल खान के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। पेशावर, मर्दन, उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान तथा अन्य जिलों में भारी बारिश की सूचना मिली है, जबकि पलांद्री में लगातार बारिश से भूस्खलन की आशंका बढ़ गई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने जान-माल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को तत्काल राहत एवं चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

ट्रम्प ने चीन पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी

कहा- मेरे पास ऐसे कार्ड हैं, जिन्हें खोल दिया तो चीन बर्बाद हो जाएगा

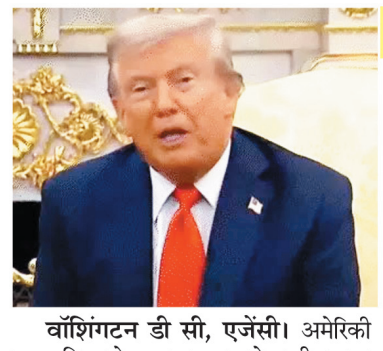

वॉशिंगटन डी सी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर 200प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा,अगर चीन ने अमेरिका को पर्याप्त मात्रा में मैग्नेट (चुम्बक) की सप्लाई नहीं की, तो उनके आयात पर भारी टैरिफ लगाया जा सकता है।

ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा कि वह चीन के साथ बेहतर रिश्ता चाहते हैं, लेकिन व्यापारिक तनाव अभी भी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यापार विवाद में वॉशिंगटन की स्थिति से ज्यादा मजबूत है। ट्रम्प ने कहा, चीन के पास कुछ कार्ड हैं। हमारे पास भी कुछ कार्ड हैं, लेकिन मैं ये पत्ते नहीं खेलना चाहता। अगर मैंने ऐसा किया, तो चीन बर्बाद हो जाएगा। मैं ये पत्ते नहीं खेलूंगा। ट्रम्प ने यह टिप्पणी साउथ कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ बैठक के दौरान की।

ट्रम्प ने आगे कहा कि उन्होंने हाल ही में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात की है और बीजिंग की यात्रा पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, किसी भी समय, शायद इसी साल या उसके तुरंत बाद, मैं चीन जा सकता हूं। उन्होंने यह भी बताया कि शी जिनपिंग ने उन्हें न्यौता दिया है।

अमेरिका ने चीन पर एक्स्ट्रा टैरिफ 90 दिन टाला था: इससे पहले ट्रम्प ने 12 अगस्त को 90 दिनों के लिए टाल दिया था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया था कि उन्होंने अमेरिका-चीन टैरिफ डेडलाइन 9 नवंबर तक बढ़ाने के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किया है। इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच 11 मई को जिनेवा में ट्रेड डील हुई थी। अमेरिका और चीन के बीच लंबा टैरिफ वॉर चला। ट्रम्प ने चीन पर 245प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। चीन ने जवाब में 125प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही। हालांकि, जिनेवा ट्रेड डील के बाद यह लागू नहीं हुआ।

चीन ने अमेरिका को रेयर अर्थ मेटल्स की सप्लाई रोकी थी: चीन ने अप्रैल में कई रेयर अर्थ मटेरियल और मैग्नेट्स पर नियंत्रण को और सख्त कर दिया था। अमेरिका के लगाए गए टैरिफ की जवाबी कार्रवाई के तौर पर चीन ने अमेरिका के लिए 7 अर्थ मटेरियल की ,सप्लाई पर रोक लगा दी थी। चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए थे। ये मटेरियल ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए बेहद अहम हैं। इस फैसले से दुनियाभर में मोटरव्हीकल, एयरक्राफ्ट, सेमीकंडक्टर और हथियार बनाने वाली कंपनियों पर असर पड़ा।

इलेक्ट्रॉनिक्स से आईटी तक में रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमाल: रेयर अर्थ मटेरियल 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग आईटी इंडस्ट्रीज, सौर ऊर्जा, केमिकल इंडस्ट्रीज के अलावा आधुनिक तकनीकी ऑयल रिफाइनरी में और कई अन्य इंडस्ट्रीज में होता है।

छत्तीसगढ़ देश का ऑक्सीजोनः वनमंत्री केदार कश्यप

जिला स्तरीय वन महोत्सव में शामिल हुए वनमंत्री कश्यप, 1483 हितग्राहियों को चेक वितरित

जगदलपुर। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का अक्सीजोन है। यह प्रकृति का आशीर्वाद है कि हमारा राज्य वनों से भरपूर है। उन्होंने कहा कि वनों से आच्छादित बस्तर क्षेत्र में जन्म लेने का अवसर मिला। वनों को हमारे पूर्वजों ने सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर के रूप संरक्षित किया है। वनोपज यहां जीविकोपार्जन का साधन है। इसलिए वनों का संरक्षण करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। साथ ही आगामी पीढ़ी को भी इसके महत्व से भली-भांति अवगत कराना है। ये बातें वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर जिले के आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला जामावाडा में आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम में कही। वनमंत्री कश्यप ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि पूरे प्रदेश में वनाच्छादन में वृद्धि के मामले में हमारा राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। भारत सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक 68000 हेक्टेयर में वनाच्छादन में वृद्धि हुई है। इस अवसर पर वनमंत्री केदार कश्यप ने किसान वृक्ष मित्र योजना के वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के 1483 हितग्राहियों का 92 लाख रूपए की राशि का चेक वितरित किया। कार्यक्रम में विधायक किरण सिंह देव ने भी अपने सम्बोधन में वनों के महत्व को विस्तार से बताया। रजत जयंती वर्ष में आयोजित पर जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम में विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, बेवरेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, नगर निगम सभापति खेम सिंह देवांगन, अन्य जनप्रतिनिधि वेद प्रकाश पांडे, रूप सिंह मंडावी सहित सीसीएफ आर दुग्गा सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि ने स्कूल परिसर में एक पेड़ माँ के नाम पर वृक्षारोपण किया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारी व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

सुकमा में नक्सलियों ने शिक्षादूत की कर दी हत्या, क्षेत्र में दहशत का माहौल

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले से एक बड़ी खबर है। यहां नक्सलियों की बौखलाहट एक बार फिर से देखने को मिली है। पुलिस की मुखबिरी का शक जताकर नक्सलियों ने एक शिक्षादूत को मौत के घाट उतार दिया है। इसके बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

नक्सल इलाके में बच्चों को पढ़ाता था लक्ष्मण – दरअसल इस इलाके का ग्रामीण लक्ष्मण बारसे शिक्षा दूत के रूप में काम कर रहा था। वह धुर नक्सल इलाके सिलगेर की स्कूल में बच्चों को पढ़ाता था। बुधवार की शाम करीब 7:30 बजे नक्सली उसके घर में पहुंचे और उससे मारपीट करने लगे। परिजनों ने बीच बचाव की कोशिश की। लेकिन नक्सली नहीं माने फिर धारदार हथियार से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। बताया जा रहा है कि पहले कई बार नक्सली उसे धमकी दे चुके थे। पुलिस अफसरों ने बताया कि जिले के पेगड़ापल्ली गांव का मूल निवासी बारसे मंडीमरका गांव के स्कूल में कार्यरत था। वह वर्तमान में सिलगेर में निवास कर रहा था, जहां यह घटना हुई।

पुलिस ने जांच शुरू की – इस घटना के बाद इलाके के शिक्षादूतों और ग्रामीणों में भारी दहशत है। पूरा मामला जगरगुंडा थाना क्षेत्र का है। पुलिस अफसरों ने बताया कि घटना के संबंध में जानकारी मिलने के बाद जगरगुंडा थाने की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेहमान प्रशिक्षक के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत नेशनल स्किल्स क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क कोर्स में मापदंड अनुरूप शिक्षकीय कार्य के संपादन के लिए निहित शर्तों के अधीन मेहमान प्रशिक्षण हेतु अंत्यावसायी व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र चिखलपुटी कोण्डागांव में 02 सितम्बर तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। इसके तहत फील्ड टेक्नीशियन (घरेलु उपकरण रिपेयरिंग) के प्रशिक्षण के एक पद के लिए इलेक्ट्रिकल विषय में मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई, डिप्लोमा, डिग्री के साथ टीओटी एवं सीआईटीएस उत्तीर्ण के साथ संबंधित कोर्स में प्रशिक्षकीय कार्य का 02 से 03 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इच्छुक आवेदक सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ आवेदन कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल किरन्दुल द्वारा धूमधाम से किया जा रहा है गणेशोत्सव का आयोजन

किरंदुल। छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल किरंदुल में भगवान गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर इस वर्ष 57 वें गणेशोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा हैं। इस अवसर पर भगवान श्री गणेश जी की भव्य पूजा-अर्चना संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर मंडल के सदस्यों और स्थानीय समुदाय ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिससे आयोजन में आध्यात्मिकता और सामुदायिक एकता का अनुपम संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मंडल के प्रमुख पदाधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इंटक सचिव ए के सिंह, अध्यक्ष लोकनाथ चुरेन्द्र, पी एल साहू, कार्यालय सचिव डागेन्द्र वर्मा, गुहाराम देवांगन, सांस्कृतिक सचिव देवेंद्र साहू एवं अन्य उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना के पश्चात उपस्थित सभी भक्तों के बीच प्रसाद और मिष्ठान का वितरण किया गया, जिसने सामुदायिक भाईचारे और उत्सव के आनंद को दोगुना कर दिया। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने में भी मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाता हैं।

आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत की गई कार्यवाही

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव वाय. अक्षय कुमार द्वारा जिला के समस्त थाना/ चौकी प्रभारियों को आसमाजिक कृत्यों को अंजाम देने वाले असामजिक तत्वों पर उचित वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिस पर अति. पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरूण नेताम के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी नरेश साहू के कुशल नेतृत्व में जुंआ, सट्टा, खुड़खुड़िया, आबकारी, मादक पदार्थ परिवहन पर रोक लगाने टीम गठित कर चौकी क्षेत्र में रवाना किया गया था। ईलाक भ्रमण के दौरान विश्वसनीय मुखबीरों से सूचना मिला कि परछीपारा उड़िसा से ग्राम बांसकोट आने-जाने की कच्ची मार्ग होकर एक व्यक्ति प्लास्टिक बोरी में उड़िसा राज्य से अवैध अंग्रेजी शराब लुकते छिपते बांसकोट की तरफ आ रहा है कि सूचना पर बताये स्थान पर जाकर पुलिस टीम के द्वारा चेकिंग कार्यवाही पर आरोपी सहानु सोरी पिता स्व. फरसुराम सोरी उम्र 40 वर्ष जाति गोंड़ निवासी ग्राम बांसकोट चौकी बांसकोट जिला कोण्डागांव छ.ग. को अवैध षराब के साथ रंगेहाथ पकड़ा गया, ओरापी के पास से तलाशी दौरान उड़िसा राज्य का 01 की कुल 19 नग शीशी तथा दो नग बीयर का बॉटल, जुमला 04 लीटर 720 एम एल, नगदी 500 रू कीमती 5080 रू बरामद किया गया। आरोपी का कृत्य धारा 34(1) आबकारी अधिनियम के तहत् पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। अधिकारियों के मार्गदर्शन में चौकी क्षेत्रांतर्गत उड़िसा सीमावर्ती क्षेत्र में इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

कलेक्टर ने नई एंबुलेंस सेवा का किया शुभारंभ

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय परिसर से नई एंबुलेंस सेवा का फीता काटकर शुभारंभ किया। यह एंबुलेंस एसबीआई फाउंडेशन के द्वारा जिला प्रशासन को प्रदाय की गई है। इसका संचालन स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यकता अनुसार जिले में मरीजों के परिवहन हेतु की जाएगी। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. आर.के. चतुर्वेदी और सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रेम मंडावी, और एसबीआई शाखा के चीफ मैनेजर सपन चक्रवर्ती भी अधिकारी उपस्थित रहे।

कौशल प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत नेशनल स्किल्स क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क कोर्स के तहत् बेरोजगार युवक-युवतियों से कौशल प्रशिक्षण में प्रवेश लेने हेतु अंत्यावसायी व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र चिखलपुटी कोण्डागांव में 02 सितम्बर 2025 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। इसके तहत लाइट मोटर व्हीकल लेवल 3 (फोर व्हीलर ड्राइवर प्रशिक्षण) एवं फील्ड टेक्नीशियन (घरेलु उपकरण रिपेयरिंग) का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का होगा आयोजन

कोण्डागांव। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय खेल दिवस, हॉकी के जादूगर स्व. मेजर ध्यानचंद जी के जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस मौके पर भारतीय शासन एवं राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार 29 से 31 अगस्त तक फिट इंडिया से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 29 अगस्त को फिट इंडिया मूवमेंट का शुभारंभ किया गया था। वरिष्ठ खेल अधिकारी ने बताया कि जिले में आयोजित होने वाला कार्यक्रम 29 अगस्त को विकासनगर स्टेडियम में मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी जाएगी, फिट इंडिया का शपथ दिया जाएगा एवं फुटबॉल मैच का आयोजन होगा। 30 अगस्त को फिट इंडिया का पेंटिंग प्रतियोगिता एवं इंडोर गेम्स जैस जूडो, कराते, बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस का आयोजन एवं 31 अगस्त कौनदकंल वद लबसम कार्यक्रम के अंतर्गत सायकल रैली का आयोजन किया जाएगा। सायकल रैली का मार्ग विकासनगर स्टेडियम से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक, पी.डब्ल्यू.डी. कार्यालय, डॉ भंज क्लिनीक से होते हुए कनेरा रोड से होते हुए इंडियन गैस कार्यालय से पुनः विकासनगर स्टेडियम में समाप्त होगा। इसके अलावा गुंडाधुर कॉलेज में रस्साकशी, रस्सी कूद, फिट इंडिया पेंटिंग एवं पोस्टर निर्माण होगा। पेंटिंग का आयोजन जवाहर नवोदय, बालक स्कूल, कन्या स्कूल एवं आत्मानंद स्कूल, जामकोटपारा में भी किया जाएगा।

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता शुरू, मधुमक्खी हमले से खिलाड़ियों में आक्रोश

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय कोण्डागांव का स्टेडियम मैदान इस समय 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का केंद्र बना हुआ है। 28 से 31 अगस्त तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के 700 से अधिक खिलाड़ी और अधिकारी जुटे हैं। तीरंदाजी, फुटबॉल और मलखम जैसे खेलों के लिए खिलाड़ियों में उत्साह तो देखने को मिला, लेकिन आयोजन की व्यवस्थाओं में बड़ी लापरवाही सामने आई। स्टेडियम मैदान में प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उदघाटन विधायक लता उसेंडी की उपस्थिति में किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। खिलाड़ियों ने मार्च-पास्ट कर खेल महोत्सव का आगाज किया। कोण्डागांव जैसे आदिवासी अंचल में इतने बड़े स्तर पर खिलाड़ियों का समागम होना अपने आप में गौरव का विषय है।

मधुमक्खियों का हमला, तीन खिलाड़ी घायल – शुभारंभ के उत्साह के बीच रात में एक अप्रिय घटना ने खिलाड़ियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए। रायपुर ज़ोन के खिलाड़ियों को रात्रि विश्राम के दौरान मधुमक्खियों ने काट लिया। अचानक हुए इस हमले से अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार तीन खिलाड़ी घायल हुए, जिनमें फुटबॉल खिलाड़ी रुद्र भी शामिल हैं। रुद्र के अनुसार, रात में मुझे और मेरे साथियों को मधुमक्खियों ने काटा। पूरी रात हम सो नहीं पाए। अब सुबह हमारा फुटबॉल मुकाबला है। बिना आराम के खिलाड़ी मैदान में कैसे अपना सर्वश्रेष्ठ दे पाएंगे?

अधिकारियों का बयान और विवाद – खिलाड़ियों के इस दर्दनाक अनुभव के बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान ने हादसे से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि उन्हें किसी भी बच्चे के मधुमक्खी हमले में घायल होने की जानकारी नहीं है। अधिकारियों के इस बयान ने खिलाड़ियों और अभिभावकों में नाराजगी और बढ़ा दी है।

अव्यवस्था और सवाल – स्थानीय लोगों व अभिभावकों का कहना है कि जब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, तो खिलाड़ियों के ठहरने, सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधा जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं का ध्यान रखना सबसे पहली जिम्मेदारी है। लेकिन हकीकत यह रही कि खिलाड़ियों को असुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया, जहां रात में मधुमक्खियों का हमला हो गया। खिलाड़ियों का कहना है कि इस घटना से उनका मनोबल टूट रहा है। शारीरिक व मानसिक रूप से असुविधा झेलने के बाद मैदान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाना मुश्किल है। प्रतियोगिता की सफलता तभी है जब खिलाड़ी सुरक्षित वातावरण में खेल सकें और अपने हुनर को निखार सकें। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता बच्चों की प्रतिभा को मंच देने का सुनहरा अवसर है, लेकिन यदि ऐसी अव्यवस्थाएँ और लापरवाही सामने आती रहीं, तो बच्चों का भविष्य और खेल दोनों प्रभावित होंगे।

आयोजन समिति को तुरंत इस घटना से सबक लेकर खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुविधाओं का इंतज़ाम मजबूत करना होगा, तभी प्रतियोगिता अपने उद्देश्य में सफल हो पाएगी।

व्यापमं द्वारा अपेक्स बैंक के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा 7 को

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित अपेक्स बैंक के अंतर्गत ग्रुप-1 कनिष्ठ प्रबंधक, कन्सट्रक्शन एवं मेन्टेनेन्स, उप प्रबंधक (उपयंत्री), ग्रुप-2 कनिष्ठ प्रबंधन संवर्ग (कृषि विशेषज्ञ), ग्रुप-3 कनिष्ठ प्रबंधक-(2) आईटी एवं प्रोग्रामर, कनिष्ठ प्रबंधक संवर्ग (आईटी विशेषज्ञ), उप प्रबंधक प्रोग्रामर, तथा सहायक प्रबंधक (सहायक प्रोग्रामर) सीबीजेएम 23 भर्ती परीक्षा का आयोजन 07 सितम्बर 2025 रविवार को पूर्वान्हः 11 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक परीक्षा केन्द्र 1701 शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज धरमपुरा नम्बर 02 जगदलपुर, 1702 शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज धरमपुरा क्रमांक-03 जगदलपुर, 1703 शासकीय दन्तेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय शांति नगर जगदलपुर, 1704 शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल क्रमांक 1 जगदलपुर, 1705 शासकीय बहुउद्देशीय हायर सेकण्डरी स्कूल जगदलपुर तथा 1706 शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल क्रमांक 2 राजेन्द्र नगर वार्ड गीदम रोड जगदलपुर में किया गया है।

सनातन की रक्षा का संकल्प

दीपिका के पहल से सुकमा में पंचम वर्ष भी बंटी सनातन श्रद्धा की प्रतीक विघ्नहर्ता की प्रतिमाएं

सुकमा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर जब समूचा भारत गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंज रहा है, ऐसे समय में सुकमा में एक अनूठी मिसाल कायम हुई। बस्तर क्षितिज सामाजिक सेवा समिति द्वारा लगातार पाँचवें वर्ष यहाँ निशुल्क गणेश प्रतिमाओं का वितरण किया गया। यह पहल न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण और सामाजिक सेवा का जीवंत उदाहरण भी है। इस पुनीत कार्य की सूत्रधार हैं अधिवक्ता दीपिका शोरी, जो वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य भी हैं। दीपिका शोरी सामाजिक, सांस्कृतिक और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने इस अवसर पर कहा- जब मैंने यह कार्य प्रारंभ किया था, तब कुछ ही लोगों का साथ था, परंतु आज समाज का सहयोग और सहभागिता देखकर यह विश्वास और प्रबल हुआ है कि सनातन संस्कृति में लोगों की आस्था और विश्वास दिनोंदिन बढ़ रहा है। उन्होंने सुकमा में कुछ लोगों के द्वारा हिन्दू देवी-देवताओं की पूजा को राजनीतिक लाभ के लिए निशाना बनाए जाने पर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज कुछ लोग सनातन धर्म और उसके प्रतीकों को केवल राजनीतिक रोटियाँ सेंकने का साधन बना रहे हैं। परंतु उन्हें यह समझना होगा कि सनातन कोई हाल ही में उपजा विचार नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही संस्कृति है। इसे न तो कोई मिटा सकता है, और न ही किसी के चाहने से इसकी आस्था कमजोर होती है।सभी को अपने अपने रीति रिवाजों के अनुसार पूजा पद्धति का अधिकार है परंतु यहां अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने वालों से कहना चाहती हूँ कि आप हिन्दू देवी देवताओं की पूजा का विरोध करते हैं और चुनाव नजदीक आते ही उन्ही हिन्दू इष्टदेवों के कार्यक्रमों की विभिन्न समाजों के मंच साझा कर गुणगान करने से पीछे नहीं हटते हैं सनातन वह पुरानी संस्कृति है जो मुगल काल में मुगलों के आतंक के बाद भी नहीं मिटा इसे मिटाने वाले ही मिट गए हमारे कितने ही पूर्वज सनातन संस्कृति की रक्षा करते हुए मुगलों के आगे झुकने से मना कर दिया और सपने प्राणों की आहुति दे दी, मैं भी अपने उन्हें पूर्वजों के पदचिन्हों पर चल कर सनातन संस्कृति हेतु न्योछावर हो जाना चाहती हूं और इस हेतु मुझसे जो भी सम्भव होगा मैं करुंगी। बस्तर क्षितिज सामाजिक सेवा समिति की संस्थापिका जो वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के सदस्य की भी जिम्मेदारी में है उन्होंने कहा कि हम अपने क्रम को निरन्तर जारी रखते हुए अपनी समिति के माध्यम से श्री गणेश स्थापना के अवसर पर विभिन्न ग्राम पंचायत से आये हुए हमारे आदिवासी भाई बहनों के साथ साथ अन्य समाज के लोगों को गणेश जी की प्रतिमा का निःशुल्क वितरण किया, मुझे यह बताते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि हमारा प्रयास आज सफलता की ओर है और प्रतिवर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक लोगों ने श्री गणेश जी की प्रतिमा प्राप्त की हैं जिनमें प्रमुख रूप से नक्सलप्रभावित ग्राम पेंदलनार, कुण्दनपाल, बाड़नपाल, सौतनार, उरमापाल, किकिरपाल, अधिकारीरास, गादीरास, पाकेला, हिकमीरास, छिंदगढ़ व अनेकों ग्राम शामिल हैं। इस आयोजन में वितरित की गई गणेश प्रतिमाएं स्थानीय कलाकारों द्वारा पर्यावरण अनुकूल सामग्री से बनाई गई थीं, जिससे न केवल धार्मिक भावनाओं का सम्मान हुआ, बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी रोजगार का अवसर मिला। इस प्रकार, यह आयोजन केवल मूर्ति वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक मजबूत सांस्कृतिक संदेश के साथ समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता दिखा। प्रतिमा वितरण के दौरान सुकमा के गणमान्य नागरिकों के साथ समिति के कोषाध्यक्ष संजय सिंह भदौरिया सहयोगी बामन राम, अंजली साहू भी उपस्थित रहे।

अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के ऋण धारकों से बकाया राशि जमा करने की अपील

कोण्डागांव। अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति से प्राप्त जानकारी अनुसार राष्ट्रीय निगम की अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं सफाई कामगार वर्ग की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को उनके रूचि अनुसार व्यवसाय स्थापित करने हेतु कम ब्याज दर पर 60 सामान किस्तों में भुगतान की शर्त पर ऋण राशि का वितरण किया गया है। हितग्राहियों के द्वारा स्वरोजगार इकाई स्थापित कर पर्याप्त आय अर्जित करने के पश्चात भी ऋण राशि को जमा करने में रुचि नहीं ले रहे है। साथ ही प्रदाय किए गए ऋण कालातीत हो गए है। चूंकि राष्ट्रीय निगम को ब्याज सहित वापस करना होता है, किन्तु ऋण राशि की वसूली नहीं होने के कारण बकाया राशि को वापस करने में कठिनाई हो रही है। जिसकी वसूली हेतु बकायेदारों पर तहसीलदार के द्वारा आर.आर.सी. प्रकरण दर्ज की जाएगी, संबंधित के द्वारा प्रस्तुत पोस्टडेटेड चेक को बैंक में प्रेषित कर अनादरित होने पर कार्यवाही की जावेगी। साथ ही जानबूझकर ऋण राशि नहीं जमा करने वाले बकायादारों के बैंक खातों पर होल्ड करने की कार्यवाही कर ऋण वसूली की जावेगी। ऋण वसूली हेतु कार्यालय के द्वारा ऋण वसूली शिविर 29 अगस्त में तहसील कार्यालय कोण्डागांव, 12 सितम्बर तहसील कार्यालय फरसगांव, 19 सितम्बर में तहसील कार्यालय केशकाल, 26 सितम्बर में तहसील कार्यालय माकडी, 10 अक्टूबर में तहसील कार्यालय बडेराजपुर में विकासखण्ड वार आयोजित किया जाएगा। सभी बकायादार हितग्राहियों को सूचित किया जाता है कि उक्त निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर पहुंचकर ऋण राशि जमा करना सुनिश्चित करें।

प्रेग्नेंसी में ये चीजें खाएंगे तो डिलीवरी में नहीं होगी कोई परेशानी, बच्चा भी रहेगा तंदुरुस्त

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का एक खूबसूरत समय होता है और इस दौरान स्वस्थ आहार एक प्रमुख भूमिका निभाता है, क्योंकि यह आपके और आपके अजन्मे बच्चे दोनों के पोषण के लिए जरूरी है। अक्सर महिलाएं इस बात को लेकर चिंतित रहती हैं कि वह क्या ऐसा खाएं कि उन्हें प्रेगनेंसी में कॉम्प्लिकेशन ना हो और उनका बच्चा भी तंदुरुस्त रहे। कई बार महिलाएं ऑनलाइन दिखती है या दोस्तों या रिश्तेदारों से सलाम मांगती हैं कि कौन से खाद्य पदार्थ खाने चाहिए और किन चीजों से बचना चाहिए। हालांकि यह जानकारी कई बार सही भी नहीं होती है। ऐसे में पेशेवर की सलाह लेना जरूरी होता है। आज हम आपको एक्सपर्ट की बताए उन खाद्य पदार्थों के बारे में बता रहे हैं जिससे आपको और आपके बच्चे को लाभ पहुंचेगा। आपकी गर्भावस्था यात्रा को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी

- एक्सपर्ट बताती है की प्रेग्नेंसी के दौरान संतुलित आहार खाना आपके बच्चे को विकसित होने के लिए जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान अपर्याप्त पोषण से बाद के जीवन में हृदय रोग मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है।
- गर्भवती माता के लिए अनाज,फलिया मेवे, बीज, फल, सब्जियां लीन मीट,डेरी उत्पादन और समुद्री भोजन से भरपूर संतुलित आहार की सिफारिश की जाती है। यह उनके स्वास्थ्य और भ्रूण के स्वास्थ्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व की गारंटी देता है।
- गर्भवती महिलाओं को अत्यधिक कैफीन के सेवन के साथ ही पैक्ड जूस से दूर रहने की सलाह दी जाती है।
- दैनिक भोजन में हरी सब्जियों को खाने पर जोर दिया जाता है। इससे कई सारे पोषक तत्व मिलते हैं, खास कर पालक का सेवन करना चाहिए, इसे खून बढ़ाने में मदद मिलती है। इसी तरह पर अपनी डाइट में मौसमी फलों को शामिल करना भी जरूरी है।
- इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को बड़े हिस्से के बजाय दिन भर में छोटे-छोटे भोजन का सेवन करना चाहिए। स्वस्थ नाश्ते के विकल्प के रूप में मुट्ठी भर मिक्स मेवे खाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- हाइड्रेशन इन सब में सबसे जरूरी है।हर रोज तीन लीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है जिसमें सादा पानी, नींबू पानी,छाछ सब्जी या चिकन सूप जैसे अलग-अलग तरल पदार्थ को शामिल किया जा सकता है।
- कच्चे या अधपका मांस को खाने से बचना चाहिए, इनमें हानिकारक पदार्थ मौजूद होते हैं जो कॉम्प्लिकेशंस को बढ़ा सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट अटैक का खतरा होता है क्योंकि यह खून की नसों को ब्लॉक कर देता है, इसके कुछ लक्षण आपकी उंगलियों में दिख सकते हैं, कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए कुछ आदतों में सुधार जरूरी है।

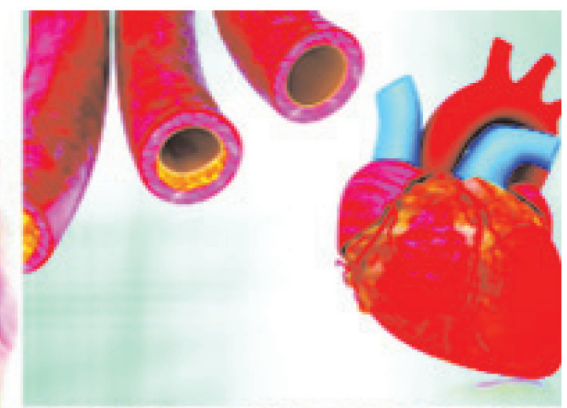

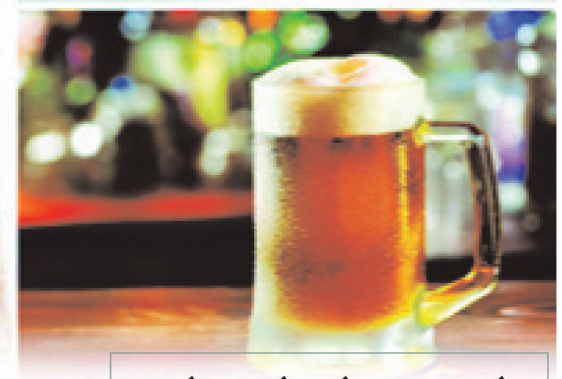

अपने कोलेस्ट्रॉल लेवल पर रखें नजर

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना सेहत के लिए गंभीर संकेत है। इस मोम की तरह दिखने वाले चिपचिपे पदार्थ के बढ़ने से खून की नसें ब्लॉक हो सकती हैं, जिससे ब्लड फ्लो थम सकता है या धीमा हो सकता है। ऐसे होने से आपको कई तरह के दिल के रोग, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा समस्याओं का खतरा हो सकता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर किसी के लिए अपने कोलेस्ट्रॉल लेवल पर नजर रखना जरूरी है।

कोलेस्ट्रॉल के क्या लक्षण हैं?

इससे हाथों और पैरों में झुनझुनी महसूस हो सकती है। इसकी वजह यह है कि जब नसों में खून का प्रवाह धीमा हो जाता है या रुकावट होती है, तो शरीर के विभिन्न अंगों तक खून नहीं पहुंच पाता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण हैं। हाई फैट वाली चीजों का अधिक सेवन, स्मोकिंग, शराब का सेवन, एक्सरसाइज न करना और अधिक वजन होना आदि की वजह से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है। इस लेख में आप जानेंगे कि कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से आपको अपने हाथ-पैरों की उंगलियों में क्या-क्या लक्षण महसूस हो सकते हैं और कोलेस्ट्रॉल से बचने के लिए या कम करने के लिए आपको किन गलत आदतों को छोड़ देना चाहिए।

उंगलियों और हथेली में पीलापन

एक रिपोर्ट के अनुसार, खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर त्वचा पीले रंग की नजर आ सकती है, खासतौर पर आंखों के आसपास। कभी-कभी हथेली और पैरों के तलवों में भी पीलापन महसूस हो सकता है।

हाथ-पैरों में झुनझुनी महसूस होना

हाथ-पैरों की उंगलियों की नसों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से आपको उंगलियों में झुनझुनी है। झुनझुनी का मतलब है कि किसी व्यक्ति की त्वचा में जलन, चुभन या सुई चुभोने जैसी अनुभूति होना। ध्यान रहे कि यह डायबिटीज का भी एक लक्षण है।

हाथ-पैरों की उंगलियों में दर्द

हाई कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हाथ-पैर की उंगलियों में दर्द से भी हो सकता है। जब हाथ-पैरों की रक्त धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा हो जाता है, तो उन्हें छूने से दर्द महसूस हो सकता है।

हथेली पर पीले रंग के धब्बे

खून की नसों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर आपको हथेलियों या पैर के निचले हिस्से पर छोटे पीले और नारंगी रंग के धब्बे नजर आ सकते हैं। यह धब्बे आंखों की ऊपरी पलक पर भी दिख सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के नुकसान

ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने से क्रोनरी आर्टरी डिजीज, पेरिफेरल आर्टरी डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, चेस्ट पेन, पेट दर्द, पित्त की पथरी, नसों में झनझनाहट और पाचन से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं।

छोड़ दें ये आदतें

- ट्रांस फैट, सैचुरेटेड फैट और रिफाइंड वाली चीजों के सेवन से कोलेस्ट्रॉल तेजी से बढ़ता है, इसलिए ऐसे चीजों से तौबा कर लें।
- अगर आप स्मोकिंग या ड्रिंक करते हैं, तो आज ही से इनसे दूरी बना लें। यह चीजें खून में तेजी से बैड कोलेस्ट्रॉल बनाती हैं।

- अगर आपका वजन बढ़ रहा है और आप इसे कंट्रोल करने के लिए कुछ नहीं कर रहे तो आपको कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का ज्यादा खतरा है।
- एक्सरसाइज नहीं करना कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का बड़ा कारण है। अगर आप किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी में शामिल नहीं हो रहे, तो सतर्क हो जाएं।
- बहुत अधिक तनाव में रहना भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का एक कारण है। स्ट्रेस हार्मोनल बढ़ने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का उत्पादन होता है।

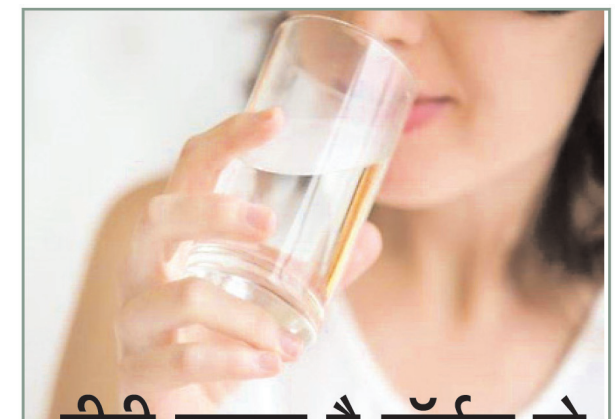

बीपी रखना है नॉर्मल तो रोज सुबह पिएं गर्म पानी

शरीर के लिए पानी कितना अहम है इसके बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर रोज सुबह खाली पेट आप गर्म पानी पिएं तो हेल्थ को कई फायदे होते हैं।

पाचन रहे दुरुस्त

गर्म पानी पाचन में मदद करता है। ऐसा खाना जिसे पेट आसानी से पचा नहीं पा रहा हो उसे ब्रेक करने और पचाने में गर्म पानी काफी मदद करता है, इससे पेट साफ रहता है और पाचन संबंधी कोई और समस्या परेशान नहीं करती।

वेट लॉस

पाचन दुरुस्त रहे तो वेट लॉस में भी मदद मिलती है। साथ ही में गर्म पानी फैट लॉस में भी मदद करता है।

पेट दर्द व मरोड़ में राहत

पेट दर्द होने पर या मरोड़ चलने पर भी गर्म पानी काफी राहत देता है। हालांकि इसका ध्यान रहे कि पानी को धीरे-धीरे पिएं, एकदम से गर्म पानी पीना नुकसान कर सकता है। वहीं रोज सुबह गर्म पानी पिएंगे तो ये परेशानियां होंगी ही नहीं।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

सुबह गर्म पानी पीने से ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को सुधारने में भी मदद मिलती है, यह बीपी को नॉर्मल रखने में भी मदद करता है।

गला रहेगा साफ

अक्सर सुबह उठने पर लोग कफ की शिकायत करते हैं, ऐसे में गर्म पानी पीने पर उन्हें राहत महसूस होगी। गर्म पानी कफ की समस्या को दूर कर गले को साफ रखता है।

बॉडी होगी टॉक्सिन फ्री

शरीर के टॉक्सिन को बॉडी से बाहर निकालने में भी गर्म पानी काफी मदद करता है। यह न सिर्फ हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालता है बल्कि स्किन पर भी ग्लो लाता है।

मीठा खाने से नहीं बल्कि खाने की इस चीज से बढ़ रहा है आपका वजन, आज ही दें ध्यान

अक्सर लोग पतला होने के लिए, सबसे पहले मीठे और कार्ब्स को अपनी थाली से दूर करते हैं। लेकिन, एक्सपर्ट के मुताबिक, खाने की एक और चीज इससे भी ज्यादा वजन बढ़ा सकती है। अक्सर लाख कोशिशों के बाद भी लोग वजन कम नहीं कर पाते हैं। कई बार खाने-पीने की कई सारी चीजों को छोड़ने के बाद भी वजन टस से मस नहीं होता है। तब दिमाग में सबसे पहला सवाल यही आता है कि आखिर क्यों वेट कम नहीं हो रहा है। वजन कम करने के लिए, सबसे पहले इसके बढ़ने के सही कारणों के बारे में जानना जरूरी है। महंगी डाइट फॉलो करना या लंबे वक्त तक भूखा रहना, मोटापा कम नहीं कर सकता है, बल्कि पोर्शन कंट्रोल और हेल्दी ईटिंग हैबिट्स से वजन कम करने में मदद मिलती है। अक्सर लोग पतला होने के लिए, सबसे पहले मीठे और कार्ब्स को अपनी थाली से दूर करते हैं। लेकिन, एक्सपर्ट के मुताबिक, खाने की एक और चीज इससे भी ज्यादा वजन बढ़ा सकती है। यह कौन सी चीज है और किस तरह आपका वजन बढ़ा रही हैं।

कुकिंग ऑयल

- कार्ब्स और शुगर से कहीं ज्यादा कुकिंग ऑयल वजन बढ़ा सकते हैं। आप खाना बनाते समय किस तरह के तेल का इस्तेमाल कर रही हैं और कितना तेल यूज कर रही हैं, यह आपकी सेहत पर असर डाल सकता है।
- कुकिंग ऑयल वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। रिफाइंड ऑयल में अनहेल्दी फैट्स होते हैं, जो शरीर में चर्बी जमा कर सकते हैं।
- इसकी वजह से कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है और मेटाबॉलिज्म भी स्लो हो जाता है।
- रिफाइंड ऑयल के सेवन से इंसुलिन सेंसिटिविटी भी कम होती है और इसके कारण भी वजन बढ़ने लगता है।
- रिफाइंड ऑयल में बहुत अधिक कैलोरी होती है। इसके अधिक इस्तेमाल से कमर और पेट के आस-पास चर्बी जमने लगती है। इसकी वजह से बीपी और शुगर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। एक्सपर्ट की कहना है कि रिफाइंड ऑयल की जगह, घी, ऑलिव ऑयल और मस्टर्ड ऑयल का इस्तेमाल करें। ये शरीर में इंफ्लमेशन को कम करके दिल को सेहतमंद बनाने में मदद करते हैं।
- अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में फाइबर और प्रोटीन से भरपूर चीजों को शामिल करें।

सर्दी-जुकाम और एलर्जी नहीं करेगी परेशान पिएं यह देसी ड्रिंक

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम और एलर्जी अक्सर लोगों को परेशान करती है। इससे बचने में यह देसी ड्रिंक आपकी मदद कर सकता है। इसके फायदे और इसे बनाने का तरीका।

मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी, जुकाम और कई मौसमी इंफेक्शन्स परेशान करने लगते हैं। जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, उन पर बदलते मौसम का असर जल्दी और ज्यादा होता है। ऐसे में बदलते मौसम के बीच, खुद को सेहतमंद रखना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए कई घरेलू नुस्खे कारगर हैं। हमारे घरों में हमेशा से मौसम के हिसाब से खान-पान और जीवनशैली में बदलाव होते रहे हैं। लगभग सभी घरों में गर्मी में शरीर को ठंडक देने, सर्दी में शरीर में अंदर से गर्म रखने और बदलते मौसम के बीच इम्यूनिटी मजबूत करके मौसमी एलर्जी से बचाने के लिए कई नुस्खे आजमाएं जाते रहे हैं। यहां हम आपको एक ऐसी ही देसी ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं, जो आपको कई तरह की एलर्जी और इंफेक्शन से बचा सकती है। इस बारे में डाइटिशियन सिमरन कौर जानकारी दे रही हैं। वह सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं। बदलते मौसम में इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए बेसन से बनाएं यह ड्रिंक

- अगर आपको सर्दी-खांसी और जुकाम परेशान करता है, तो इस ड्रिंक को जरूर पिएं।
- सर्दी-खांसी से बचाने के लिए बेसन का यह शीरा या बेसन का ड्रिंक कई सालों पुरानी हेल्दी रेसिपी है।
- बेसन एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इससे कफ दूर होता है और सर्दी-खांसी में राहत मिलती है।
- गुड़, बेसन, काली मिर्च और इलायची से बना यह ड्रिंक, बंद नाक को खोलने का काम करती है।
- सीने में जकड़न की वजह से अगर आपको सांस लेने में मुश्किल हो रही है, तो भी यह ड्रिंक फायदेमंद है।
- काली मिर्च में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। ये शरीर में इंफेक्शन्स से बचाती है। सर्दी-खांसी को दूर करने में भी यह फायदेमंद है।
- गुड़ की तासीर गर्म होती है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखता है।

एलर्जी से बचने के लिए बनाएं यह देसी ड्रिंक

सामग्री

- देसी घी- 3/4 कप
- बेसन- 3/4 कप
- गुड़- 1 टीस्पून
- पानी- 3 कप
- इलायची- 2
- काली मिर्च- 4
- बादाम- 4 (कटे हुए)

विधि

- बेसन को घी में अच्छे से भूनें।
- जब यह रंग बदलने लगे तो इसमें पानी मिला दें।
- अब इसमें गुड़, काली मिर्च, इलायची और बादाम डालकर इसे 1-2 मिनट पकाएं।
- आपकी हेल्दी ड्रिंक तैयार है।
- इसे आप एक मील की जगह ले सकती हैं।

श्रीगणेश चतुर्थी पर पटरी पार को मिला तोहफा, 20 लाख की लागत से पटरी पार बुधवारी बाजार में पेवर ब्लॉक टाइल्स का लोकार्पण

कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव और महापौर अलका बाघमार ने किया लोकार्पण

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 59 और 21 स्थित पटरी पार बुधवारी बाजार में श्रीगणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विकास की नई सौगात मिली। कैबिनेट शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं पार्षदगण की उपस्थिति में पेवर ब्लॉक टाइल्स लगाने के कार्य का लोकार्पण किया। यह कार्य 15वें वित्त आयोग की स्वीकृति अंतर्गत कराया गया है। बाजार क्षेत्र में 25 हजार स्क्वायर फीट हिस्से को कवर करते हुए पेवर ब्लॉक टाइल्स बिछाए गए हैं, जिस पर लगभग 20 लाख रुपये की लागत आई है। इस कार्य की घोषणा पिछले गणेश पक्ष में पार्षदों की मांग पर विधायक द्वारा की गई थी। आज गणेश चतुर्थी के शुभ पर्व पर इस घोषणा को साकार कर नागरिकों को समर्पित किया गया। मंत्री यादव का संबोधन-कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा क्षेत्र की जनता की सुविधा और विकास हमारी प्राथमिकता है। बुधवारी बाजार हजारों लोगों की रोजमर्रा की ज़रूरतों से जुड़ा हुआ है। यहां पेवर ब्लॉक टाइल्स का काम पूरा होने से लोगों को बेहतर और साफ वातावरण मिलेगा। आने वाले समय में सरकार और निगम मिलकर ऐसे और कार्य करेंगे, ताकि नागरिकों को सुविधा और समुचित वातावरण मिल सके।

महापौर बाघमार का वक्तव्य-महापौर अलका बाघमार ने कहा नगर निगम का लक्ष्य है कि शहर के हर बाजार और वार्ड में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुदृढ़ आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बुधवारी बाजार पटरी पार क्षेत्र के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण स्थान है, यहां पेवर ब्लॉक टाइल्स के साथ-साथ रंगरोगन और लाइटिंग की बेहतर व्यवस्था भी कराई गई है। इससे बाजार का स्वरूप निखरकर सामने आया है और नागरिकों को सुविधाजनक माहौल मिलेगा।÷

नागरिकों ने जताया आभार-स्थानीय पार्षदों और नागरिकों ने मंत्री और महापौर का आभार जताते हुए कहा कि पटरी पार बुधवारी बाजार प्रकाश व्यवस्था बेहतर होने से अब और आकर्षक व सुरक्षित दिखने लगा है। लोगों ने बताया कि अब यहां रात 9 बजे के बाद भी आराम से सब्जी और अन्य सामान खरीदा जा सकेगा, जिससे व्यापार और नागरिक दोनों को फायदा होगा।

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व नागरिक रहे मौजूद-लोकार्पण अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, देव नारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, काशीराम कोसरे, पार्षद विद्यावती सिंह, नीलम शिवेंद्र परिहार, गुलाब वर्मा, साजन जोसफ, सावित्री दमाहे, शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, मनोज सोनी, खालिफ रिजवी सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान बाजार क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना रहा और लोगों ने विकास कार्यों के लिए निगम टीम की सराहना की।

अमलेश्वर क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीणों का आक्रोश

पाहंदा (अ) के ग्रामीण देर रात पहुंचे बिजली कार्यालय, किया विरोध प्रदर्शन

अमलेश्वर(पाटन)। अमलेश्वर क्षेत्र के गांवों में लगातार अघोषित बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने रविवार रात जमकर विरोध जताया। ग्राम पाहंदा (अ) के ग्रामीण 26 अगस्त को रात 11 बजे अमलेश्वर विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी करते हुए कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले 6 महीनों से लगातार बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। कभी लाइन आती है तो कभी चली जाती है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। गणेश चतुर्थी के पहले दिन भी लाइन बंद कर दी गई, जिससे गणेश पंडाल में रोशनी की व्यवस्था प्रभावित हुई।

अधिकारियों पर भेदभाव के आरोप-प्रदेश भाजपा युवा प्रशिक्षण प्रमुख सुरेंद्र साहू, वर्तमान उपसरपंच द्वारिका वर्मा और कांग्रेस सेक्टर प्रभारी भरत वर्मा के नेतृत्व में हुए इस विरोध में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अमलेश्वर कार्यालय के श्री राहुल सिंह ग्रामीणों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। फोन करने पर जवाब नहीं दिया जाता और शिकायतों का समाधान भी नहीं होता। शिकायत करने पर ग्रामीणों को कानूनी कार्रवाई की धमकी दी जाती है। साहू ने चेतावनी दी कि यदि कार्यशैली में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले समय में थाना और विद्युत विभाग कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

विरोध प्रदर्शन में रहे शामिल-इस मौके पर भूपेंद्र पटेल, धनेंद्र यादव, अलख यादव, यशवंत वर्मा, पुरुषोत्तम पाल, नंदू साहू, रूपेंद्र यादव, अरविंद साहू, देवेंद्र देवांगन, विमल साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

निगम के उद्यानों की कमान महिलाओं के हाथों

- केंद्र सरकार की योजना पर अमल शुरू
- निगम सभागार में महिलाओं की बैठक
- महिलाओं को बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के उद्यानों की देखरेख और रखरखाव का काम अब महिलाएं करेंगी। इसे लेकर निगम सभागार में महिला स्वसहायता समूह की बैठक संपन्न हुई।बैठक में अधिकारियों द्वारा महिलाओं को उद्यानों के रखरखाव और कार्ययोजना की जानकारी दी गई।इस कार्य में महिलाओं को मिलने वाले मानदेय के बारे में भी बताया गया। उद्यानों के रखरखाव को लेकर जिन महिला समूह का कार्य प्रशंसनीय रहेगा उन्हें अन्य उद्यान भी प्रदान किए जाएंगे। लॉटरी सिस्टम के माध्यम से महिलाओं को बैठक में उद्यानों का आवंटन किया गया। इस कार्य में नगर निगम के उद्यान विभाग के अधिकारी महिलाओं को सहयोग प्रदान करेंगे। और उद्यानों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी प्रदान की जाएगी। बहरहाल महिलाओं को सशक्त बनाने यह योजना सराहनीय है। महिलाएं भी इसे लेकर काफी उत्साहित है। इस प्रक्रिया की जानकारी नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू ने दी।

तीज पर्व पर सुहागिनों ने मनाया उल्लास, सजी प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

दुर्ग। धर्मनगरी कौही में इस बार तीज का पर्व सुहागिनी माता-बहनों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया। परंपरा अनुसार महिलाओं ने पर्व की शुरुआत एक दिन पूर्व करुभात खाकर की और अगले दिन निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव-पार्वती की आराधना की। सोलह श्रृंगार से सजी महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की मंगलकामना की।

प्रतियोगिताओं में झलका उत्साह-तीजहारिन बहनों ने करुभात से लेकर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मटका फोड़ प्रतियोगिता में श्रीमती रेखा साहू एवं कुंती निषाद विजेता रहीं। 'जो जीता वही सिकंदर' प्रतियोगिता में सगनी पाल और सुनीता निषाद ने जीत हासिल की। भाषण, गीत-संगीत प्रतियोगिता में करुणा साहू और ईश्वरी साहू ने अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया। नृत्य प्रतियोगिता में प्रमिला साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तीज क्वीन प्रतियोगिता में त्रिवेणी निषाद और इंद्राणी देवांगन विजेता बनीं।

गरिमामयी उपस्थिति में हुआ पुरस्कार वितरण-कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नारद साहू (जिला पंचायत सभापति प्रतिनिधि एवं दक्षिण पाटन युवा मोर्चा अध्यक्ष) रहे। अध्यक्षता सुरेश साहू (सरपंच प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत कौही) ने की। विशेष अतिथियों में अरविंद साहू (मंडल सदस्य), अभिषेक सेन (मीडिया प्रभारी), संजु साहू (लोकगायक), रविशंकर साहू (क्षेत्रीय अध्यक्ष जामगांव क्र) एवं नारायण साहू (मां काली साउंड सर्विस) शामिल रहे। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सभी का रहा विशेष सहयोग-कार्यक्रम को सफल बनाने में लवकुश देशमुख, दिलीप देवांगन, भागीरथी पवार, महेतर जोशी, पंच राम साहू, बुद्ध साहू, कमलनारायण साहू, विजय साहू, सुखदेव निषाद, बिरसिंग साहू, सुरेन्द्र कुमार साहू, खुबलाल मेश्राम, सोहन साहू, पितेश साहू, प्रितम निषाद, लेखराम निषाद, पुरुषोत्तम साहू, दिलीप साहू, ठाकुर राम साहू, राकेश निषाद, राजेन्द्र धनकर, बिरबल धनकर, हर्ष साहू, राहुल सुरज, राजेंद्र देवांगन, भुवन ठाकुर, सोमनाथ साहू सहित अनेक ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन संतोष साहू ने किया। इस संबंध में जानकारी अभिषेक सेन (मीडिया प्रभारी) ने दी।

राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन 31 अगस्त तक

दुर्ग। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 20 से 31 अगस्त 2025 तक खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। 29 अगस्त 2025 को प्रातः 7.30 बजे सुराना कॉलेज मैदान पर मेजर ध्यानचंद हॉकी के जादूगर के नाम से हॉकी खेल, फुटबॉल एवं खो-खो खेल का आयोजन किया जाएगा। खिलाड़ियों द्वारा खेलों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। जिले के टीमों के मध्य हॉकी एवं फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम समय-सुबह अतिथियों का आगमन, ध्यानचंद की फोटो पर माल्यार्पण, प्रारंभ रैली दौड, मुख्य अतिथियों का सम्मान, खिलाड़ियों को नाश्ता, खेल प्रारंभ एवं शामः मुख्य अतिथि एवं अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी का सम्मान एवं समापन किया जाएगा। खेल दिवस के अवसर पर 30 अगस्त 2025 को मेजर ध्यानचंद अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी के नाम पर जिला दुर्ग के विकासखण्ड दुर्ग के शा.उ.मा.विद्यालयः पुरई में पारंपरिक खेल आयोजन किया जायेगा। खेल का नाम कबड्डी, खो-खो, स्थानीय खेल पिट्ठुल, गेड़ी दौड़। समापन अवसर पर स्थानीय प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा। 31 अगस्त 2025 को खेल दिवस के अवसर पर सायकल रैली का आयोजन प्रगति भवन (सिविक सेन्टर) जयंती स्टेडियम में किया जा रहा है। सायकल रैली का शुभारंभ प्रगति भवन जयंती स्टेडियम से किया जाएगा। सायकल रैली निम्नानुसार मार्ग से गुजरेगी। सायकल रैली 31 अगस्त 2025 को प्रातः 08.30 बजे प्रगति भवन (सिविक सेन्टर) भिलाई से प्रारंभ होकर शहीद पार्क, परिवार चौक, रेल चौक, डीपीएस चौक, एस.एस.बी. चौक, जयन्ती स्टेडियम में पिछे भाग से प्रवेश करते हुए स्टेडियम के अंदर एक चक्कर लगाकर पुनः पीछे वाली गेट से प्रगति भवन पहुंचकर रैली का समापन होगा। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान एवं खिलाड़ियों को शपथ ग्रहण किया जाएगा।

असामाजिक तत्वों की शरणस्थली निगम की दुकान

- मुख्यमंत्री स्वालंबन योजना के तहत बनाई गई थी
- बेरोजगारों को नहीं की जा सकी आबंटित
- दुकानों के साथ चबूतरे भी टूटे

भिलाई। मुख्यमंत्री स्वालंबन योजना के तहत नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा जवाहर नगर में लाखों रुपए की लागत से बेरोजगारों को स्वरोजगार देने के उद्देश्य से दुकानों का निर्माण कराया गया था लेकिन आज तक इन दुकानों का आवंटन बेरोजगारों को नहीं किया जा सका दुकान लेने बेरोजगार लगातार नगर निगम के चक्कर काटते रहे लेकिन निगम अधिकारी उन्हें कभी दस्तावेज तो कभी अन्य कारणों से गुमराह कर वापस भेजते रहे वर्तमान में यह दुकान पूरी तरह से खंडहर में तब्दील हो चुकी है इन दुकानों पर असामाजिक तत्वों का कब्जा है शाम होते ही यहां असामाजिक गतिविधियां देखने को मिलती हैं वहीं जिन लोगों को दुकानों का आवंटन हुआ है उनके द्वारा यहां स्वयं व्यवसाय ना कर दूसरों को किराए पर देकर दुकान संचालित की जा रही है और इनसे किराया लेकर नगर निगम को संपत्तिकर का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। आलू प्याज विक्रेताओं द्वारा इन दुकानों को अपने गोदाम में बदल गया है शराबखोरी करने का यह मुख्य स्थान बन चुका है नगर निगम की उदासीनता से ऐसी स्थिति देखने को मिली है बेरोजगार दुकान लेने भटकते रहे लेकिन उन्हें निराश होना पड़ा। दुकानों के साथ यहां बने चबूतरे भी टूट गए है। निगम की लापरवाही का खामियाजा बेरोजगार युवक भुगत रहे हैं।

स्कूल शिक्षा एवं ग्रामोद्योग मंत्री यादव ने किया खादी महोत्सव का शुभारंभ

दुर्ग। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने 27 अगस्त को छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित खादी महोत्सव का शुभारंभ किया। सिविक सेंटर भिलाई के वेल्डेक्स ग्राउंड में ग्रामोद्योग बोर्ड अंतर्गत बुनकरों द्वारा स्वदेशी खादी वस्त्रों की बिक्री हेतु प्रदर्शनी लगाई गई है। शुभारंभ अवसर पर ग्रामोद्योग मंत्री यादव ने कहा कि खादी सिर्फ वस्त्र नही, यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित जनों से खादी वस्त्रों के महत्व पर चर्चा करते हुए स्वयं भी खादी वस्त्र खरीदा और सभी से स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने की अपील की। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडे, दुर्ग निगम के सभापति श्याम शर्मा, पार्षदगण एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्लॉटर हाउस, ई-लाइब्रेरी, ट्रैफिक पार्क, रोड व सिटी बस स्टॉपेज का लिया जायजा

कलेक्टर ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

भिलाई नगर। भिलाई शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का कलेक्टर अभिजीत सिंह ने महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

स्लॉटर हाउस का निरीक्षण-राधिका नगर पानी टंकी के पास निर्मित स्लॉटर हाउस का कलेक्टर ने बारीकी से निरीक्षण किया। यहां स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने जानकारी देते हुए बताया कि मांस व मटन विक्रेताओं को पशु वध से पूर्व लैब टेस्ट करवाना होगा और रोग रहित पशु का प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होगा। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि गैर प्रमाणित मांस के विक्रय पर सख्त रोक लगाई जाए, ताकि लोगों को स्वस्थ एवं प्रमाणित मांस उपलब्ध हो सके।

शहीद उद्यान में ई-लाइब्रेरी-इसके बाद अधिकारियों ने शहीद उद्यान में निर्माणाधीन ई-लाइब्रेरी का अवलोकन किया। कलेक्टर ने एजेंसी कुणाल बिल्डर्स को अविलंब कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी बनने से छात्रों को प्राकृतिक, मनोरम एवं शांत वातावरण में अध्ययन का अवसर मिलेगा। वर्तमान में उद्यान के संधारण कार्य के चलते इसे 31 अगस्त तक बंद रखा गया है। उद्यान में म्यूजिकल फाउंटेन का भी नवीनीकरण किया जा रहा है।

ट्रैफिक पार्क व अन्य निरीक्षण-कलेक्टर, महापौर एवं आयुक्त ने ट्रैफिक पार्क का निरीक्षण कर इसके रखरखाव व आगंतुकों के लिए फूड जोन जैसी सुविधाओं पर चर्चा की। इसी तरह, प्रियदर्शनी परिसर में रेलवे लाइन के समानांतर बनने वाले रोड, स्विमिंग पूल, हॉर्स राइडिंग व नालंदा परिसर का भी निरीक्षण किया गया। निर्माण से संबंधित ड्राइंग-डिजाइन का परीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

ई-सिटी बस सेवा स्टॉपेज-राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन ई-सिटी बस सेवा स्टॉपेज का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द इस सेवा का लाभ मिल सके। बैटरी चालित बस सेवा से न केवल जिले के सभी रूट पर आवागमन सुगम होगा बल्कि यह सेवा पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित रहेगी।

निरीक्षण में अधिकारीगण रहे उपस्थित-निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अजय राजपूत, कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता अखिल चंद्राकर, अनिल सिंह, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, सहायक अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला, उप अभियंता बसंत साहू, श्वेता महेश्वर, अर्पित बंजारे, चंदन निर्मलकर, पलाश वैद्य, सागर दुबे सहित निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरोपी की धमकी से डर गए थे मृतक के परिजन

- जशपुर पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी
- अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे परिजन
- आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

जशपुर।जशपुर पुलिस को एक अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में सफलता मिली है।पुलिस ने इस मामले में आरोपी सुखनंदन को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी द्वारा विनोद नाम के व्यक्ति की हत्या उसकी पत्नी और बच्चों के सामने कर दी थी।और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी।जिसकी वजह से परिजन मृतक का अंतिम संस्कार करने की तैयारी कर रहे थे।विनोद की मौत की खबर सुनकर उसकी बहन अपने ससुराल पहुंची।और मृतक के शरीर से खून बहते देख उसने घटना की जानकारी पुलिस को दी।जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और प्रोफेशनल तरीके से इस प्रकरण को सुलझाया।पूरे मामले की जानकारी एसएसपी जशपुर शशिमोहन सिंह ने दी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com